CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-182
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कुछ चीज़ें जिंदगी बदल देती हैं, चाहे वो मिले या न मिले।

सिटी चीफ

माँ स्कंदमाता

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर,सोमवार 07 अक्टूबर 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

टी-20 विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। आईसीसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2024 में टीम इंडिया को पहली जीत मिल गई है। पहले मैच में न्यूजीलैंड के हाथों करारी हार झेलने वाली भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया है। महामुकाबला काफी धीमा रहा, क्योंकि दोनों तरफ से 211 रन बने। दोनों पारियों में कुल 38.5 ओवर फेंके गए। पाकिस्तान ने जहां 20 ओवर में 105 रन बनाए, जबकि भारत को 106 रन बनाने में 18.5 ओवर लग गए। एक भी छक्का पूरे मैच में देखने को नहीं मिला। यहां तक कि पाकिस्तान की तरफ से मैच में 8 चौके लगे और भारत ने सिर्फ 5 चौके जड़े। इतना ही नहीं, इस जीत का ज्यादा फायदा भारतीय टीम को नेट रन रेट के हिसाब से नहीं मिला है। भारतीय टीम सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है, लेकिन इस लो स्कोरिंग मैच को देर से खत्म करना भारत के लिए आगे मुश्किल पैदा कर सकता है। इस जीत के बावजूद भारतीय टीम पांच टीमों वाले ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल में पांचवें से चौथे स्थान पर ही पहुंची है। वहीं, पाकिस्तान की टीम हारकर भी तीसरे स्थान पर विराजमान है। भारतीय टीम ने इस मैच में एक बार भी जोखिम नहीं उठाया। इसके पीछे का कारण ये भी रहा कि पिच धीमी थी और आउटफील्ड अच्छा नहीं था। गेंद बाउंड्री तक अच्छे से ट्रेवल ही नहीं कर रही थी।इस मुकाबले की बात करें तो पाकिस्तान की टीम की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। हालांकि, टीम 105 रन ही बना सकी। पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। भारत की गेंदबाजी अच्छी रही। भारत ने 106 रनों का लक्ष्य 19वें ओवर में हासिल किया और सिर्फ 4 ही विकेट गिरे। हालांकि, एक मलाल टीम इंडिया को रहेगा कि वे नेट रन रेट को नहीं सुधार सके।

55 हजार फीट ऊंचाई पर मंडरा रहे चीन के जासूसी गुब्बारेको मार गिराया

नई दिल्ली। वायुसेना ने हाल ही में पूर्वी मोर्चे पर 55 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारतीय वायुसेना ने कुछ महीने पहले चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराने के लिए राफेल लड़ाकू विमान का इस्तेमाल किया था। बल ने इसके लिए आकार में छोटे गुब्बारे का इस्तेमाल किया। गुब्बारे को कुछ पेलोड के साथ हवा में छोड़ा गया और फिर 55 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर एक इन्वेंट्री मिसाइल का उपयोग करके इसे मार गिराया गया। बताते चलें, 2023 की शुरूआत में अमेरिका ने समुद्र के ऊपर एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराने के लिए पांचवीं पीढ़ी के एफ-22 रैप्टर लड़ाकू जेट का इस्तेमाल किया था। भारतीय वायुसेना ऐसे गुब्बारों से उत्पन्न चुनौती से निपटने पर चर्चा कर रही थी, जो बहुत ऊंचाई पर उड़ते हैं। भारतीय वायुसेना ने पिछले साल इस मुद्दे पर अमेरिकी वायुसेना से भी संपर्क किया था।

चीतों के घूमने के लिए मप्र सरकार ने खाली कराए 11 गांव

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने चीतों के रहवास पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान से 11 गांव खाली कराए हैं। इन गांवों की भूमि राष्ट्रीय उद्यान में शामिल की गई है। दरअसल, कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसे 18 गांव को खाली कराया जा रहा है। इन गांवों की भूमि के बदले 3 हजार 720.9 हेक्टेयर भूमि दूसरी जगह दी गई है। उद्यान के अंदर 18 गांवों का कुल रकबा 4 हजार 407 हेक्टेयर है, इनमें अब तक कुल 11 गांव खाली कराए जा चुके हैं। इन गांव की भूमि को वन विभाग ने राष्ट्रीय उद्यान का वनखंड घोषित कर दिया है। इस फैसले से वहां चीतों का संरक्षण किया जा सकेगा। उन्हें खुले में घूमने के लिए निर्बाध वन क्षेत्र मिलेगा। इसके पहले चीतों के घर का दायरा भी बढ़ाया जा चुका है। इसको इस तरह से विकसित कर रहे हैं कि चीता मप्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सीमा तक घूम सकें। इसके लिए इन तीन राज्यों के बीच चीता कॉरिडोर बनाने की योजना भी है। बता दें कि कूनो के अंदर बने बरेड, लादर, पांडरी, खजूरी में खजूरी, खजूरी कलां और खजूरी खुर्द है। इसी तरह पैरा में चार गांव पैरा, पालपुर, जाखोद एवं मेघपुरा और बसंतपुरा गांव है। इन सभी गांवों को खाली कराकर अब वनखंड घोषित किया है, जिससे ये राष्ट्रीय उद्यान के संरक्षित वन बन गए हैं। इन गांवों का कुल रकबा 1 हजार 854.932 हेक्टेयर है। शेष गांव की भूमि भी शीघ्र वनखंड घोषित की जाएगी। मध्यप्रदेश में चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से पहले उनका रहवास पालपुर कूनो नेशनल पार्क का क्षेत्रफल बढ़ाया गया है। कूनो का कुल 54 हजार 249.316 हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ाया गया है। जिसके बाद अब कूनो का कुल वन क्षेत्र एक लाख 77 हजार 761.816 हेक्टेयर हो गया है।

मालदीव के राष्ट्रपति का कूटनीतिक यू-टर्न

चीन पर मुइज्जू बोले- भारत की सुरक्षा को कभी खतरे में नहीं डालेंगे

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे हैं। यहां सोमवार को राष्ट्रपति भवन में प्रेसिडेंट द्रोपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका औपचारिक स्वागत किया। आज मुइज्जू के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता होगी। रविवार को उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की थी। मालदीव के राष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए हैं। इससे पहले वे जून में प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली आए थे।

भारत की सुरक्षा को कभी खतरे में नहीं डालेंगे- मुइज्जू

चीन के करीबी रहे प्रेसिडेंट मुइज्जू ने अपने भारत दौरे के दौरान साफ किया है कि मालदीव की चीन के साथ बढ़ती साझेदारी कभी भी भारत की सुरक्षा को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगी। उन्होंने कहा, मालदीव कभी भी भारत की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालेगा। भारत हमारे लिए एक अहम भागीदार और मित्र देश है

मालदीव की माली हालत खराब, भारत से मदद की आस

पिछले साल भारत और मालदीव के बीच रिश्ते उस समय तनावपूर्ण हो गए थे, जब मालदीव के तीन मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान दिए थे और भारतीय सैनिकों को देशसे बाहर भेजने की मांग की गई थी। इसके बाद मालदीव के खिलाफ बायकॉट ट्रेंड चल पड़ा और टूरिज्म पर आधारिक मालदीव की इकोनॉमी पर गंभीर असर पड़ा। अब राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत के साथ संबंधों को फिर से मजबूत करने का संकल्प लिया है।

वायुसेना के 'एयर शो' भगदड़ जैसे हालात उमस से तीन लोगों की मौत

चेन्नई। चेन्नई में मरीन ड्राइव पर भारतीय वायुसेना का एयरशो देखने आए तीन लोगों की मौत हो गई है। इन सभी लोगों की मौत अस्पताल में हुई है। अस्पताल के मुताबिक, एक शख्स की मौत का कारण गर्मी के कारण होना बताया जा रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, मरीन पर लगभग भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी और गर्म मौसम के कारण लगभग 12 लोग बेहोश हो गए और उनका सरकारी अस्पताल में इलाज किया गया। मरीना से शहर के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने वाली मुख्य सड़कों पर यातायात अवरुद्ध हो गया और वाहन एक ही स्थान पर काफी समय तक खड़े रहे। निकटवर्ती लाइटहाउस मेट्रो स्टेशन और वेलाचेरी में चेन्नई एमआरटीएस रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों लोग एकत्र हो गए और कई लोगों को प्लेटफॉर्म पर खड़ा होना भी मुश्किल हो गया था। इसके बावजूद कई लोगों ने खतरा उठाकर यात्रा की और कई लोगों की ट्रेन छूट गई। एयर शो स्थल के नजदीक अन्ना स्क्वायर पर बस स्टॉप पर लोगों की भारी भीड़ एकत्र थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अपराह्न एक बजे एयर शो खत्म होने के लगभग तीन घंटे बाद मरीना तट के निकट यातायात बहाल कर दिया गया। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का एयर शो हालांकि आकर्षण का केंद्र था लेकिन इसे देखने के लिए एकत्र हुए हजारों लोगों को कार्यक्रम के बाद घर लौटने में कई परेशानियों को सामना करना पड़ा। भारतीय वायुसेना के विमानों ने स्थानीय मरीना के आसमान में अपनी वायुशक्ति और युद्ध-कौशल का प्रदर्शन करते हुए यहां उपस्थित जनसमुदाय को रोमांच से भर दिया। ये लोग रविवार को उमस के बावजूद हजारों की संख्या में यहां पहुंचे और राफेल समेत भारतीय वायुसेना के विभिन्न लड़ाकू विमानों का रणकौशल का भरपूर आनंद उठाया।

पुलिस ने बताया कि तीन एंबुलेंस यातायात जाम में फंस गई थी और इन्हें निकालने के लिए पुलिस को कदम उठाने पड़े।

क्रिकेट खेलने के दौरान जमीन पर गिर गया 15 साल का लड़का, मौत

आगर मालवा। मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में रविवार को क्रिकेट खेलते समय 15 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर सुसनेर में हुई। दरअसल, घटना रविवार सुबह करीब 10 बजे की है। माखन सिंह नाम का लड़का अपने दोस्तों के साथ स्कूल के पास क्रिकेट खेल रहा था। इसी दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। वह खेलते-खेलते अचानक जमीन पर लेट गया। गंभीर हालत में उसे साथ खेल रहे बच्चे हॉस्पिटल लेकर गए लेकिन तब तक माखन की मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों का कहना है कि उसकी मौत ग्राउंड पर ही हो गई थी। सुसनेर थाना प्रभारी केसर राजपूत ने बताया कि माखन सिंह नाम का लड़का क्रिकेट खेलते समय बेहोश हो गया, जिसके बाद उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि

मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया गया है। शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच जारी है। शव का पोस्टमार्टम करने वाले पैनल के एक डॉक्टर ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट की वजह से मौत होना लग रहा है। हेड इंज्यूरी नहीं दिखाई दी है और न शरीर पर कोई चोट के निशान हैं। बताया जा रहा है कि युवक अपने मामा के घर पर रहता था। इसके पहले कई ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इंदौर के छप्पन दुकान इलाके में 32 साल के इंजीनियर अर्पित पांचाल की साइलेंट अटैक से मौत हो गई। वहीं रविवार को ही दिल्ली के शाहदरा इलाके में रामलीला में भगवान राम का रोल निभाने वाले कलाकार की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक का नाम सुशील कौशिक था जो पेशे से प्रॉपर्टी डीलर थे और विश्वकर्मा नगर इलाके में रहते थे।

70वां नेशनल फिल्म अवॉर्ड फंक्शनः मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन और ब्रॉडकास्टिंग ने यौन शोषण के आरोपी पर लिया एक्शन

'स्त्री 2' के कोरियोग्राफर जानी मास्टर से वापस लिया गया नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली। बॉलीवुड के जाने माने कोरियोग्राफर जानी मास्टर इस समय सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल, मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन और ब्रॉडकास्टिंग ने उनको मिलने वाले नेशनल अवॉर्ड को सस्पेंड कर दिया है। यह अवॉर्ड कोरियोग्राफर को बेस्ट डांस कोरियोग्राफी कैटेगरी में फिल्म 'तिरुचित्रामबलम' के गाने 'मेघम करुक्कथा' के लिए मिलने वाला था। हालांकि, अब कोरियोग्राफर पर लगे यौन शोषण के आरोपों के चलते यह अवॉर्ड उनसे वापस ले लिया गया है। जानी मास्टर काफी समय से जेल में भी बंद थे और नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में शामिल होने के लिए इसी हफ्ते उनको अंतरिम जमानत दी गई थी, लेकिन अब जानी के सेरेमनी में शामिल होने पर भी रोक लगा दी गई है। मंत्रालय ने इसे लेकर एक स्टेटमेंट जारी किया, जिसमें कहा कि आरोप की गंभीरता और मामले

के विचाराधीन होने के मद्देनजर, काबिल प्राधिकारी ने मिस्टर शेख जानी बाशा (जानी मास्टर) को साल 2022 की फिल्म तिरुचित्रामबलम के लिए बेस्ट कोरियोग्राफी का नेशनल फिल्म अवॉर्ड अगले आदेश तक सस्पेंड करने का फैसला लिया गया है। इसके साथ ही जानी 8 अक्टूबर को दिल्ली के विज्ञान भवन में होने वाली उस सेरेमनी को अटैंड भी नहीं कर सकेंगे। अवॉर्ड फंक्शन में जाने के लिए कोरियोग्राफर ने बेल मांगी थी और कोर्ट ने उनको 6 से 10 अक्टूबर तक 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड फंक्शन को अटेंड करने के लिए बेल दी थी। ऐसे में जानी इन दिनों बेल पर बाहर हैं। दरअसल, इसी साल सितंबर में जानी की एक नाबालिग असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने उन पर यौन शोषण का केस दर्ज करवाया था। महिला का आरोप था कि जानी कई सालों से उनका शोषण कर रहे हैं। फिर शिकायत मिलने के बाद साइबराबाद पुलिस ने जानी को 19 सितंबर को गोवा में गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें हैदराबाद की एक अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। जानी मास्टर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो साउथ फिल्मों के साथ वे कई हिंदी फिल्मों के गाने भी कोरियोग्राफ कर चुके हैं। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 का सुपरहिट गाना 'आई नहीं' भी जानी मास्टर ने ही कोरियोग्राफ किया है, जिसे फैंस का बेशुमार प्यार मिला। जानी मास्टर सुपरस्टार थलपति विजय, अल्लू अर्जुन, प्रभास और सलमान खान जैसे बड़े-बड़े सितारों के भी कोरियोग्राफर रह चुके हैं। उन्होंने 'श्रीवल्ली', 'सीटी मार' जैसे गानों को कोरियोग्राफ किया है। जानी मास्टर के खिलाफ केस दर्ज कराने वाली लड़की का आरोप कि उन्होंने चेन्नई, मुंबई और हैदराबाद में अलग-अलग प्रोजेक्ट्स की शूटिंग के दौरान उसका यौन शोषण किया। साथ ही हैदराबाद स्थित अपने घर पर भी उसे कई बार एब्यूज किया। लड़की ने अपनी शिकायत में बताया कि साल 2017 में एक इवेंट में उसकी मुलाकात जानी मास्टर से हुई थी। दो साल बाद जानी ने उसे अपनी असिस्टेंट कोरियोग्राफर की जॉब ऑफर की, जो उसने मंजूर कर ली। इसके बाद मुंबई में हुए एक शो के दौरान जानी ने होटल में उसे सेक्शुअली हैरेस किया। लड़की का आरोप है कि इसके बाद जानी लगातार डरा-धमकाकर उसका शोषण करते रहे। वे उस पर लगातार शादी का दबाव बना रहे थे। इतना ही नहीं, वे एक बार उसे अपने घर भी ले गए जहां जानी और उनकी पत्नी (आयशा) ने उसके साथ मारपीट की।

भोपाल की फैक्टरी से 1814 करोड़ रुपए का मादक पदार्थ जब्त

गुजरात एटीएस और एनसीबी ने की कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश में नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के बागरोदा क्षेत्र की एक फैक्टरी में एंटी टेरर स्क्वाड (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रेड की है, जिसमें 907.09 किलो मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स और उसका कच्चा माल बरामद किया गया है। बताया जा रहा है इस ड्रग्स की कीमत करीब 1814.18 करोड़ रुपए है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिये यह जानकारी दी। दरअसल गुजरात एटीएस और एनसीबी दिल्ली ने संयुक्त अभियान चलाकर ड्रग्स की इस खेप को जब्त किया है। हर्ष सिंघवी ने बताया कि 'ड्रग्स के

खिलाफ लड़ाई में बड़ी जीत के लिए गुजरात एटीएस और एनसीबी, दिल्ली को बधाई! हाल ही में, उन्होंने भोपाल की एक फैक्टरी पर छापा मारा और एमडी और एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जब्त की, जिसकी कुल कीमत 1814 करोड़ रुपए है! यह उपलब्धि ड्रग तस्करी और इसके दुरुपयोग से निपटने में हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अथक प्रयासों को दर्शाती है। हमारे समाज के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा में उनके सहयोगात्मक प्रयास महत्वपूर्ण हैं।' इस मामले पर सियासत भी शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पूछा कि युवा पीढ़ी को नशे में धकेलने का षड्यंत्र किसके संरक्षण में हो रहा है? गुजरात में पकड़ाए कुछ ड्रग्स डीलर्स से गुजरात एटीएस को इस फैक्टरी की जानकारी मिली थी। इसके बाद से ही गुजरात एटीएस डेढ़ महीने से फैक्टरी पर नजर रख रखी थी। जानकारी पक्की होने पर एटीएस ने दिल्ली एनसीबी से संपर्क किया। इसके बाद संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। फैक्टरी पर छापामार कार्रवाई को दौरान अमित प्रकाशचंद्र चतुर्वेदी (57 वर्ष), निवासी भोपाल, और सान्याल प्रकाश बाने (40 वर्ष), निवासी नासिक, महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सान्याल प्रकाश बाने हाल ही में ऑर्थर रोड जेल से ड्रग्स के मामले में ही छूटा था। सान्याल 2017 में एमडीएमए मामले में ही पकड़ा था। 5 साल तक सजा काटने के बाद उसने अमित चतुर्वेदी के साथ टीम बनाकर प्रतिबंधित ड्रग बनाने का कारखाना शुरू किया। सान्याल प्रकाश इस पूरे कारखाने और फैक्टरी का मास्टरमाइंड है। उसी के जरिए बना हुआ ड्रग देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजा जा रहा था।

आवश्यकता

प्रदेश, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट

वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message : 9755996590

इंदौर पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे

इंदौर। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रविवार शाम इंदौर पहुंचे। वे सोमवार को एक निजी यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। पूर्व राष्ट्रपति के ठहरने की व्यवस्था रेसीडेंसी में की गई है। उनके आने की सूचना के तहत दो दिन पहले से रेसीडेंसी में तैयारी शुरू कर दी गई थी। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह सोमवार को होगा। इंदौर-उज्जैन रोड स्थित कैंपस में सुबह 10.30 बजे होने वाले समारोह में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गी एवं तुलसीराम सिलावट के साथ ही सांसद शंकर लालवानी भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कुलाधिपति पुरुषोत्तम दास पसारी ने बताया कि समारोह में स्नातकोत्तर व स्नातक कोर्स के 1426 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इनमें 19 पीएचडी शोधार्थी शामिल है। 15 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। यूनिवर्सिटी की गवर्निंग बॉडी के मानद सदस्य, आमंत्रित अतिथि, न्यास के पदाधिकारी और संस्थाओं के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉक्टर उपेंद्र धर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व राष्ट्रपति का स्वागत के साथ होगी। विद्यार्थियों के चल समारोह और राष्ट्रगान के बाद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व कुलगुरु द्वारा संबोधन दिया जाएगा।

'खर्राटे' गहरी नींद की निशानी नहीं...ये आगे जाकर कई बीमारियों के कारण

इंदौर। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज के समय में नींद की समस्याएं भी आम हो गई हैं। काम का दबाव फिर देर तक जागना। इन सबसे ऊपर सोशल मीडिया और गैजेट्स के अधिक उपयोग ने हमारी नींद की आदतों को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसी समस्या के बढ़ते प्रभाव के कारण नींद और इस पर स्टडी का दायरा बढ़ा है। नींद, इस बीमारी से जुड़े विकारों, इसके निदान और ट्रीटमेंट में होने वाली नई तकनीकों के बारे में चर्चा करने के लिए मध्यभारत में पहली बार इंदौर में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में एक्सपर्ट ने नींद संबंधी विभिन्न विकारों जैसे अनिद्रा, नींद न आना, खर्राटे और नींद में चलना आदि के कारणों, निदान और उपचार पर बात की। दुनियाभर के जाने-माने नींद विशेषज्ञों ने ईईजी स्कोरिंग अब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया, पीएसजी स्टडी, नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन (एनआईवी), क्रोनिक वेंटिलेटरी फेलियर इन एनआईवी, स्लीप मेडिसन में टेलीमॉनिटरिंग, नाकोर्लेप्सी, एस-एयर डेटा जैसे विषयों पर चर्चा की। नींद एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ हिमांशु गर्ग के अनुसार स्वस्थ रहने के लिए जितना जरूरी एक अच्छा खान-पान और लाइफस्टाइल है, उतना ही जरूरी आपकी नींद भी है। आपके पास जितना भी काम हो

या वक्त की कमी हो तब भी आपको अपनी नींद पूरी करने के लिए पर्याप्त समय निकालना ही चाहिए। नींद से जुड़े कई मिथक हमारे बीच मौजूद है। जैसे कि जो व्यक्ति खर्राटे ले रहा है वो चैन की नींद सो रहा है। लेकिन, ऐसा नहीं है। यह खर्राटे नींद से जुड़े विकारों के पहले कुछ लक्षण हो सकते हैं। खर्राटे न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक और सामाजिक रूप से भी असहज महसूस करा सकते हैं। यह खर्राटे आगे चलकर स्लीप एप्निया, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और स्ट्रोक्स के कारण बन सकते हैं।

सही स्लीपिंग के होते हैं चार स्टेप

नींद के विभिन्न चरणों पर बात करते हुए साउथ ईस्ट एशियन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन के प्रेसीडेंट डॉ राजेश स्वर्णकार ने बताया कि वर्तमान में नींद से जुड़ी समस्याएं बहुत ही सामान्य हो गई है। इन विकारों पर जितनी बात की जाए उतना बेहतर है। कई लोग सोते तो हैं लेकिन नींद पूरी नहीं हो पाती। इसे समझने के लिए सबसे पहले नींद को समझना बहुत जरूरी है। नींद के मुख्यतः चार चरण होते हैं-

स्टेज 1 नींद की शुरुआती स्टेज

जब आप सोना शुरू करते हैं तो आप पहली स्टेज में होते हैं। आम तौर पर यह केवल कुछ ही मिनटों तक रहता है। इस दौरान दिल की धड़कन और सांस धीमी हो जाती है। मांसपेशियां शिथिल होने लगती हैं और शरीर आप अल्फा और थीटा मस्तिष्क तरंगों का उत्पादन करते हैं।

स्टेज 2 शुरुआत के बाद लगभग 25 मिनट की नींद

यह स्लीप की दूसरी स्टेज है। यह हल्की नींद की अवधि होती है यानी कि नींद की शुरुआत के तुरंत बाद। इससे पहले कि आप गहरी नींद में प्रवेश करें ये नींद और यह लगभग 25 मिनट तक रहता है। इस दौरान दिल की धड़कन और धीमी हो जाती है। आंख का कोई मूवमेंट नहीं होता और शरीर का तापमान गिरने लगता है। इस दौरान मस्तिष्क की तरंगें ऊपर और नीचे फैलती हैं, जिससे ह्यस्लीप स्पिंडलह्ल का निर्माण होता है।

स्टेज 3 गहरी नींद की शुरुआत

इसे डेल्टा नींद के रूप में जाना जाता है जहां आप गहरी नींद में होते हैं। इस दौरान दिल की धड़कन और श्वास सबसे धीमी गति से होती है। शरीर पूरी तरह से आराम में होता है। डेल्टा मस्तिष्क तरंगें मौजूद हो जाती हैं।

स्टेज 4 यह वो नींद है जिसमें हम सपने देखते हैं

यह सबसे गहरी नींद होती है। इस दौरान जब आप सो जाते हैं तेजी से आंखों का मूवमेंट होता है। इस दौरान श्वास और हृदय गति बढ़ जाती है। मस्तिष्क गतिविधि स्पष्ट रूप से बढ़ जाती है। हम बहुत गहरी नींद में होते हैं और सपने देखते हैं। इतना ही नहीं हम अपनी यादों को सहेजने लगते हैं।

गरबा पंडाल के बीच से एंबुलेंस निकालने की व्यवस्था, विजयवर्गीय ने की तारीफ

इंदौर। शहर में नवरात्र की धूम है। यहां एक जगह ऐसी भी है, जहां बालिकाएं गरबा खेलती हैं और पंडाल के बीच में से एंबुलेंस गुजरती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि माता मंदिर के पास में सरकारी अस्पताल है। मरीजों को लाने-ले जाने का सिलसिला लगातार चलता रहता है। रविवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इस गरबा पंडाल में पहुंचे। उन्होंने भी इस व्यवस्था को देखकर समिति की तारीफ की।

एमचीएच कंपाउंड स्थित नवदुर्गा उत्सव समिति 'श्री दुर्गा माता मंदिर' पिछले 40 साल से गरबा का आयोजन करा रही है। मंदिर के पास ही में सरकारी अस्पताल भी है। मरीजों को आने-जाने के लिए एंबुलेंस लगातार आती रहती है। रात 9 से 11.30 बजे के बीच गरबा होता है। इस दौरान गरबा पंडाल के बीच में से एंबुलेंस के निकलने के लिए रास्ता बनाया गया है। नगर सुरक्षा समिति के थाना संयोजक पूनम गोयल, अशोक शुक्ला, घनश्याम शर्मा, सुमन सिंह और उनकी टीम पूरी व्यवस्था संभालती है। पूनम गोयल ने बताया कि यहां दूर-दूर से गरबा करने बालिकाएं आती हैं। माता मंदिर के पास में शासकीय हॉस्पिटल (महाराजा तुकोजीराव हॉस्पिटल) है। ऐसे में एंबुलेंस के निकलने के लिए पंडाल के बीच में से रास्ता बनाया गया है। जानकारी देने के लिए अलग से पोस्टर भी लगाया गया है। यहां सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त इंतजाम रहते हैं। रिटायर्ड पुलिस वाले ही व्यवस्था संभालते हैं। विजयवर्गी ने कहा, ह्ये स्थान आज चैतन्य स्थान हो गया है। मैं सब साधकों को प्रमाण करता हूं, जिन्होंने अपनी साधना यहां की है। माताजी के दर्शन कर मेरा मन बहुत प्रफुल्लित हो गया है। माताजी में बड़ा तेज है। तेज इसलिए है कि सब लोग यहां श्रद्धा के साथ भजन-कीर्तन करते हैं। मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं।

चांदी-सोना-जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन ने लिया फैसला

इंदौर सराफा बाजार में 31 अक्टूबर को मनेगी दीपावली

इंदौर। दीपपर्व की जगमग और खास सजावट के लिए मशहूर सराफा बाजार में दीपावली 31 अक्टूबर को मनेगी। इंदौर चांदी-सोना-जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन ने रोशनी के त्योहार की तिथियों को लेकर जारी असमंजस के बीच यह घोषणा की है। दो दिन पहले सियागंज के व्यापारियों ने एक नवंबर को दीपावली मनाने की घोषणा की थी। हालांकि सराफा बाजार में तय हुआ कि महाकाल मंदिर का मत और जनता की सुविधा के लिहाज से वे 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाएंगे। सराफा व्यापारी एसोसिएशन की बैठक में शनिवार को सर्वसम्मति से उपरोक्त निर्णय लिया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस पर व्यापारियों का मत लिया था। व्यापारियों ने कहा कि महाकाल मंदिर में 31 को ही दीपावली मनाई जा रही है। ऐसे में उज्जैन के पंचांग और महाकाल से ऊपर किसी का मत नहीं हो सकता। दूसरा कारण व्यापारियों ने लोगों की सुविधा और सामान्य परंपरा को भी वजह बताया। सराफा व्यापारी एसोसिएशन के मंत्री अविनाश शास्त्री के अनुसार दीपावली पूजन भी रात्रि में होता है। 31 अक्टूबर को रात में अमावस्या तिथि रहेगी। अगले दिन एक नवंबर को सिर्फ शाम छह बजे के पहले तक अमावस्या है। ऐसे में भी तार्किक रूप से दीपावली 31 अक्टूबर को ही मनाना उचित लग रहा है। सराफा से दो दिन पहले सियागंज व्यापारी एसोसिएशन ने एक नवंबर को दीपावली मनाने का निर्णय ले लिया था। व्यापारी एसोसिएशन ने इंदौर के पंडितों की राय के आधार पर यह तय किया था। एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने कहा कि बाजार में वैसे भी मुहूर्त के सौदे दीपावली के बाद किए जाते हैं। उसके लिए चार नवंबर की तारीख तय की गई है।

गरबा पांडाल में पिला रहे थे फ्री सिगरेट, बजरंगियों ने की कर्मचारियों की पिटाई

इंदौर। इंदौर के एक होटल में आयोजित गरबा महोत्सव में एक कंपनी ने सिगरेट का स्टॉल लगाया था। महोत्सव में आने वाले युवक-युवतियों को मुफ्त में सिगरेट पिलाई जा रही थी। इसकी खबर जब बजरंगियों को लगी तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्टॉल पर खड़े कर्मचारियों की धुलाई कर दी और स्टॉल भी बंद कराया। गरबा आयोजकों को भी हिदायत दी कि महोत्सव में गरिमा बनाए रखे। यह मामला निपानिया स्थित एक होटल का है। इसके गार्डन में गरबा महोत्सव आयोजित किया गया था। इसमें सैकड़ों युवक-युवतियां गरबा करने पहुंचे थे। गरबा के साथ एक सिगरेट कंपनी ने अपना स्टॉल लगा रखा था। वहां कंपनी और सिगरेट का प्रचार कर युवक और युवतियों को फ्री में सिगरेट पिला रहे थे, जो लोग गरबा देखने आए थे। उन्हें भी मुफ्त में सिगरेट पीने को दी जा रही थी। विश्व हिन्दू परिषद के विभाग समरसता प्रमुख तन्नू शर्मा को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने आयोजक अंशुल गुप्ता को फोन लगाया और सिगरेट का स्टॉल हटाने के लिए कहा।आयोजक ने पल्ला झाड़कर कहा कि कंपनी ने स्टॉल लगाया है। इसके बाद बजरंग दल संयोजक प्रवीण दरेकर मौके पर पहुंचे। उनके साथ बजरंग दल कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी और स्टॉल का विरोध करना शुरू कर दिया। स्टॉल हटाने के लिए कर्मचारी तैयार नहीं हुए तो बजरंगियों ने उनकी धुनाई कर दी। इसके बाद स्टॉल भी हट गया और सिगरेट भी पिलाना बंद कर दी गई। परिसर में दो मुस्लिम युवक भी थे। उन्हें भी पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

एसयूवी से भरकर ले जा रहे थे अवैध विदेशी शराब, दो गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर में अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दो आरोपियों को नशा ले जाते हुए एसयूवी से गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से पुलिस को लाखों रुपए की अवैध शराब बरामद हुई है। इंदौर शहर अपराध का अड्डा बनता जा रहा है। यहां गुंडे बदमाश बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। चोरी, डकैती से लेकर हत्या जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। पुलिस भी लगातार इन पर नकेल कसने के लिए अभियान चला रही है, लेकिन अपराधों में कमी नहीं आ रही है। हाल ही में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जेल रोड पर एक स्कॉर्पियो में अवैध शराब ले जाई जा रही है। मुखबिर से सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम एक्टिव हो गई। उन्होंने जाल बिछाकर गाड़ी को रोका और उसकी तलाशी ली। इस दौरान पुलिस को स्कॉर्पियो गाड़ी से 24 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। इसमें 21 पेटी बियर और 3 पेटी व्हिस्की शामिल है। इस मामले पर अपराध शाखा के अतिरिक्त डीसीपी राजेश दंडोतिया ने कहा कि बदमाशों के पास से जब्त 10 लाख रुपए की कीमत की अवैध शराब जब्त की गई है।

राजपूताना परिवेश में राजपूत समाज का शस्त्र पूजन कार्यक्रम 12 अक्टूबर को

इंदौर। प्रगतिशील क्षत्रिय महासभा की रविवार को महत्वपूर्ण बैठक रखी गई। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 12 अक्टूबर को राजपूत धर्मशाला गौरी नगर खातीपुरा में शस्त्र पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी को सपरिवार आमंत्रित किया गया है एवं सभी राजपूत सरदार तथा क्षत्राणियां राजपूताना परिवेश में शामिल होंगे। प्रगतिशील क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष एवं पार्षद राजू भदौरिया एवं राजबहादुरसिंह कुशवाह, रामअवतारसिंह पंवार ने बताया कि दशहरा पर 22 वर्षों से लगातार शस्त्र पूजन का आयोजन करते आ रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजयसिंह, विशेष अतिथि विधायक भंवर सिंह शेखावत, विधायक उषा ठाकुर, विधायक मालिनी गौड़ को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी उद्योगपति सुरेशसिंह भदौरिया करेंगे। बैठक में राजपूत समाज चेतना मंडल के संयोजक रतनसिंह राजपूत, अध्यक्ष गजराजसिंह सोलंकी, सचिव सत्येंद्रसिंह चौहान को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर राजूसिंह चौहान, चतरसिंह भाटी, ओंकारसिंह भदौरिया, पंकजसिंह राजावत, रमेश सिंह परिहार, मनोहरसिंह चौहान, ब्रजराजसिंह राजावत, अशोकसिंह भदोरिया, हेमेंद्रसिंह जादौन, सत्येंद्रसिंह तोमर, राजेंद्रसिंह गहरवार, अनिल सिंह सिकरवार, भानुप्रतापसिंह कुशवाहा, रवींद्र सिंह चंदेल भी उपस्थित थे।

राजमा चावल खाने के बाद पिता और बेटे की मौत

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम इलाके में रहने वाले 13 साल के बच्चे की मौत हो गई। 9 दिन पहले पिता और छोटे भाई के साथ उसकी भी तबीयत खराब हुई थी। तीनों को निजी अस्पताल ले जाया गया था। यहां पिता ने दम तोड़ दिया था। जबकि बच्चे का एमवाय में उपचार चल रहा था। छोटे भाई को पहले ही तबीयत ठीक होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया था। एरोड्रम पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दक्ष (13) पुत्र मुकेश मौर्य की रविवार सुबह एमवाय अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। दक्ष को पिछले शुक्रवार की देर रात एमवाय अस्पताल में भर्ती करायार गया था। परिजन के अनुसार दक्ष, उसके पिता मुकेश और छोटे भाई की पिछले शुक्रवार देर रात तबीयत बिगड़ी थी। तीनों को उल्टियां हुई। उन्हें नजदीक के निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां छोटे भाई की तबीयत तो ठीक हो गई। लेकिन मुकेश और दक्ष की हालत बिगड़ने पर उन्हें एमवाय भेजा गया। यहां मुकेश ने पिछले शनिवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वही दक्ष का उपचार चल रहा था। परिवार से मिली जानकारी के मुताबिक दक्ष आठवीं क्लास का स्टूडेंट था। उसके पिता पेट मॉल शॉप पर काम करते थे। पिछले शुक्रवार की रात उन्होंने राजमा चावल खाया था। इसके बाद सो गए। देर रात करीब ढाई बजे के लगभग उन्हें उल्टियां हुई थी। परिवार के लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों के मुताबिक शुरूआत में फूड पाइजनिंग की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

लग्जरी कारों का शौक...इटली से इंदौर आई 5.80 करोड़ की 'लैम्बॉर्गिनी'

इंदौर। लक्जरी कारों के शौकिनों के शहर इंदौर में अब अपने तरह की भारत की पहली कार दौड़ती नजर आएगी। दो दिन पहले इंदौर में इटली से मुंबई होते हुए लैम्बॉर्गिनी की हुराकान ईवो स्पाइडर आई है। इसकी कीमत 5.10 करोड़ है और इंदौर में रजिस्ट्रेशन और टैक्स के साथ यह कार 5.80 करोड़ की हो जाएगी। इस कार की कई खूबियों में सबसे बढ़कर इसका कलर है, जिसके लिए 32 लाख रुपए अलग से चुकाए गए हैं। इस कार को मध्यप्रदेश के सबसे रईस कारोबारी विनोद अग्रवाल के बेटे तपन अग्रवाल ने खरीदा है। उन्होंने बताया कि इस कार पर उन्होंने स्पेशल डिमांड पर अरांचियो कैलिफोर्निया कलर करवाया है। ब्राइट ऑरेंज जैसे इस रंग की खास बात यह है कि लैम्बॉर्गिनी 1970 के दशक में अपनी सुपर कार डीआग्लो पर यह कलर करती थी। इस कार के अलावा कंपनी ने कभी भी इस रंग को अपनी किसी दूसरी कार पर नहीं किया। कारों के शौकिन होने के नाते वे लंबे समय से इस कलर को लेना चाहते थे। कुछ समय पहले ही कंपनी ने इस कलर को लिमिटेड एडीशन के रूप में ऑफर किया। इस पर उन्होंने इस कलर की कार की मांग की। काफी मशक्कत के बाद कंपनी इसके लिए तैयार हुई और उन्हें इस रंग की कार मिली। इस कलर के लिए कंपनी ने 32 लाख रुपए अतिरिक्त चार्ज किए हैं। अग्रवाल ने बताया

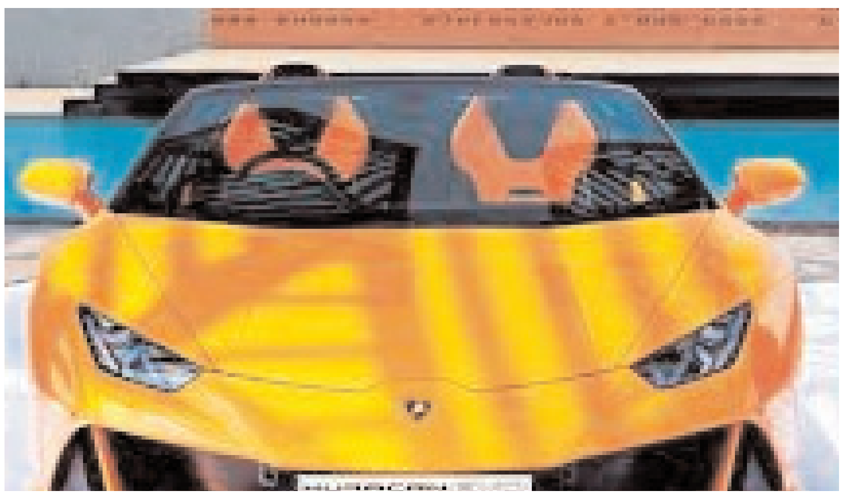

उन्होंने अप्रैल 2023 में इसे आर्डर किया था। इटली में तैयार होने के बाद यह कार एक विशेष कार कैरियर शीप से इटली से कई देशों में कारों की डिलीवरी करते हुए मुंबई के नावाशिवा पोर्ट पर पहुंची। यहां से ट्रेलर से इसे इंदौर लाया गया और 3 अक्टूबर को उन्हें इसकी डिलीवरी मिली है।

हाई 97 आक्टेन पेट्रोल से चलती है कार इस कार में कई बातें सबसे जुदा है। अग्रवाल ने बताया कि 5204 सीसी और 640 बीएचपी में बी 10 इंजन है। यह नेचरल एस्पीरेटेड इंजन है, जो सुपर कार की अलग रौबदार आवाज पैदा करता है। अब कार कंपनियां हाइब्रिड और इलेक्ट्रीक कारों में इस तरह का इंजन नहीं इस्तेमाल करती हैं, जिससे उनमें सुपर कार की वो आवाज नहीं मिलती है। इसमें लगा इंजन भी लैम्बॉर्गिनी अब बनाना बंद कर चुकी है और भारत में इस इंजन की कुछ ही कारें मौजूद हैं। यह कार सामान्य पेट्रोल के बजाए हाई 97 आक्टेन पेट्रोल पर चलती है। इंदौर में यह उपलब्ध नहीं होने पर एचपी 100 पेट्रोल का इस्तेमाल किया जाता है। यह भी आम पेट्रोल से अलग और महंगा है और सिर्फ दो ही पेट्रोल पंप पर मिलता है।

कस्टमाइज्ड इंटीरियर के लिए खर्च किए 20 लाख इस कार में कलर के अलावा इसके इंटीरिटार में भी अग्रवाल ने अपने हिसाब से कस्टमाइजेशन करवाया है। ऑरेंज एंड ब्लैक शेड पर करवाया है। इसके लिए कंपनी ने 20 लाख रुपए अतिरिक्त चार्ज किए हैं। इस तरह से कार के कलर और इंटीरियर के लिए ही कंपनी ने 52 लाख रुपए अतिरिक्त लिए हैं, जिससे इस कार की कीमत इसी श्रेणी की अन्य कारों से कहीं ज्यादा हो जाती है।

70 लाख का टैक्स भी दिया इस कार को जल्द ही इंदौर आरटीओ में रजिस्टर्ड करवाया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अग्रवाल ने बताया कि इस कार का इंदौर में टैक्स करीब 70 लाख रुपए होगा। इससे पहले मार्च में अग्रवाल ने 7 करोड़ की बॅटले बेंटयागा खरीदी थी, जिसके टैक्स के रूप में 90 लाख रुपए चुकाए थे। इसके लिए मनचाहे नंबर पर भी अतिरिक्त पैसे देना होंगे।

लग्जरी कारों का नायाब कलेक्शन तपन के पास गाड़ियों का नायाब कलेक्शन है। उनके पास मप्र की सबसे महंगी 11 करोड़ 50 लाख रुपए की रोल्स रॉयस घोस्ट एक्सटेंडेड से लेकर 11 लाख रुपए की फोर्ड फिएस्टा तक शामिल है। इनमें एक कार ब्रांड तो ऐसा है, जिसकी कार प्रधानमंत्री मोदी के काफिले में भी शामिल है।

तेज रफ्तार कार ने दो बहनों को मारी टक्कर...एक की मौत

रिश्तेदार के घर से वापस लौट रही थीं

भोपाल। शहर के श्यामला हिल्स थाना इलाके में सड़क पार कर रही दो सगी बहनों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। उन्हें गंभीर घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने 42 वर्षीय राजिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं छोटी बहन 32 वर्षीय शाजिया की हालत नाजुक बताई जाती है।

घटना शनिवार शाम लगभग सात बजे की है। हादसे के बाद कार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। चालक की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी घूमेंद्र सिंह ने बताया कि राजिया जगन्नाथ कॉलोनी, ऐशबाग की रहने वाली थी। शनिवार को वह नीम वाली सड़क, जहांगीराबाद में रहने वाली छोटी बहन शाजिया के साथ अहाता रुस्तम खां में एक रिश्तेदार के घर आई थी। दोनों बहनें शाम को वापस घर लौट रही थीं।

सिर में चोट लगने से मौके पर ही हुई मौत शाम करीब पौने सात बजे वे हिंदी भवन के सामने सड़क पार कर रही थीं, तभी स्मार्ट सिटी रोड से आ रही तेज रफ्तार कार ने दोनों को टक्कर मार दी थी। राजिया के सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिस वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अस्पताल में भर्ती शाजिया की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर उसके मालिक का पता लगाया जा रहा है। चालक की पहचान के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

भोपाल में मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण में बाधक तीन मकान हटाए

सुभाष नगर से करोंद तक बनाए जाने वाले 8.77 लंबे रूट के निर्माण पर खर्च होंगे एक हजार 540 करोड़

भोपाल। मेट्रो के दूसरे चरण में अड़चन बने आजाद नगर पुल बोगदा के तीन मकानों को शनिवार को हटा दिया गया। यहां 20 मकान-दुकानें और हैं, जिन्हें हटाने के लिए दस दिन की मोहलत दी गई है। सुभाष नगर से करोंद तक बनाए जाने वाले रूट पर एक हजार 540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मिट्टी की टेस्टिंग, डिजाइन समेत अन्य काम हो चुके हैं। अब अड़चनों को हटाया जा रहा है, जिससे सिविल के काम जल्दी शुरू हो सकें। शहर एसडीएम आशुतोष शर्मा ने मेट्रो और नगर निगम के अधिकारियों के साथ पुल बोगदा और आजाद नगर का निरीक्षण किया था। पहले यहां के लोग हटने को तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि जब तक उन्हें मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक वे हटेंगे नहीं। जिला प्रशासन ने उन्हें चेतावनी भी दी कि वे नहीं हटेंगे तो जबरन हटा दिया जाएगा। इसके बाद लोगों ने हटने की सहमति दे दी। शनिवार को दुकान और मकान मालिकों को 19 लाख का मुआवजा भी दे दिया गया। एसडीएम समेत मेट्रो और नगर निगम के अधिकारी पुल बोगदा और आजाद नगर पहुंचे। इसके बाद तीन मकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। एसडीएम ने बताया कि आजाद नगर की दुकान और मकान को हटाने के लिए लोगों ने सहमति देकर दस दिन की मोहलत मांगी है।

आरा मशीनें भी हटेंगी पुल बोगदा के पास के 108 आरा मशीन और फर्नीचर कारोबारी हैं। इन्हें रातीबड़ में बसाया जाएगा। वहां पानी, बिजली, सड़क जैसी अन्य सुविधाओं के लिए छह करोड़ रुपये दिए गए हैं। इन आरा मशीनों को भी जल्द हटाया जाएगा। इन्हें परवलिया के छोटा रातीबड़ में शिफ्ट किया जा रहा है।

गरबा-डांडिया आयोजन में बिना पहचान पत्र के नहीं मिलेगा प्रवेश

भोपाल। दुर्गा उत्सव 2024 के दौरान भोपाल जिले में होने वाले गरबा, डांडिया और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कलेक्टर ने आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। इन आदेशों का पालन करना आयोजन समितियों के लिए अनिवार्य है, अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि सभी आयोजन समितियों को आयोजन स्थल पर प्रवेश के लिए पहचान पत्र की अनिवार्यता रखनी होगी। इसके अलावा, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था और अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता भी अनिवार्य होगी। आयोजन समितियों को निम्नलिखित व्यवस्थाओं का पालन करना होगा:

इन निदेर्शों का पालन करना अनिवार्य

- प्रवेश व्यवस्था: किसी भी व्यक्ति को बिना पहचान पत्र के आयोजन स्थल पर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- सीसीटीवी कैमरे: आयोजन स्थल पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी होनी चाहिए।
- अग्नि सुरक्षा: पंडालों में अग्निशमन यंत्रों की पर्याप्त व्यवस्था के साथ फायर सेफ्टी नियमों का पालन किया जाना आवश्यक है।
- प्राथमिक चिकित्सा: आयोजन स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाएं अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।
- संदिग्ध वस्तुओं की रोकथाम: आयोजन स्थल पर संदिग्ध वस्तुएं या धारदार हथियार लाने और प्रदर्शित करने की सख्त मनाही होगी।
- विद्युत सुरक्षा: आयोजन स्थल की विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है।

विभागों को दी अलग-अलग जिम्मेदारी

कलेक्टर ने संबंधित विभागों को दुर्गा उत्सव के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में भी निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें पुलिस आयुक्त, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों को विभिन्न सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पालन की जिम्मेदारी दी गई है। कलेक्टर ने आदेशित किया है कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें ताकि दुर्गा उत्सव 2024 का आयोजन शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

पुलिस आयुक्त- उत्सव के दौरान कानून व्यवस्था और सुरक्षा का समुचित प्रबंध किया जाएगा।

नगर निगम - साफ-सफाई, विसर्जन घाटों पर गोताखोरों और अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग- अस्पतालों और आयोजन स्थलों पर आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं के लिए डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की ड्यूटी सुनिश्चित की जाएगी।

विद्युत कंपनी- विसर्जन घाटों और चल समारोह के मार्गों में विद्युत व्यवस्थाके इंतजाम।

16 साल से ससुराल में कैद महिला को पुलिस ने किया रेस्क्यू

हड्डियों का ढांचा बनकर रह गया था शरीर, पीड़िता के पिता ने मांगी थी मदद

भोपाल। शहर के जहांगीराबाद इलाके में सोलह साल से घर में कैद एक विवाहित महिला का शनिवार को भोपाल पुलिस ने रेस्क्यू किया। महिला को ससुराल वालों ने वर्ष 2008 से उसे कैद करके रखा था और उसके बाहर जाने व मायके पक्ष के लोगों से मिलने पर पाबंदी लगा रखी थी। पीड़िता के पिता ने महिला थाना पुलिस को एक आवेदन देकर मदद मांगी थी। इसके बाद पुलिस तुरंत सक्रिय हुई और जहांगीराबाद के कोली मोहल्ले में पहुंची। पुलिस ने घर के भीतर पहुंचकर देखा तो पाया कि महिला बेहद कमजोर अवस्था में पलंग पर पड़ी थी। वह ठीक से बोलने की स्थिति में भी नहीं थी। पुलिस ने महिला को रेस्क्यू कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।पुलिस के अनुसार महिला थाना में किशन लाल साहू निवासी जिला नरसिंहपुर ने आकर शिकायती आवेदन दिया था। उसमें उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री रानू साहू का विवाह 2006 में किया गया था। वर्ष 2008 के बाद से ससुराल वालों ने पुत्री को उनसे मिलने नही दिया है। पुत्री के बेटे और बेटी को भी उससे दूर कर कहीं भेज दिया गया है।

ससुराल पक्ष पर कड़ी कार्रवाई की मांग फरियादी पिता ने पत्र में यह भी लिखा कि ससुराल में उनकी पुत्री को प्रताड़ित किया जा रहा है। उसकी हालत खराब होने के बारे में पड़ोसियों से सूचना मिली। उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई कि पुत्री का घर से रेस्क्यू कर घर से रेस्क्यू किया जाकर उपचार दिलाया जाए एवं ससुराल पक्ष के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। मामले की शिकायत मिलने के बाद महिला थाना पुलिस ने जहांगीराबाद पुलिस स्टाफ की मदद से महिला रानू को रेस्क्यू किया गया।

बेहद कमजोर हालत में मिली महिला पलंग पर पड़ी रानू की हालत देखकर पुलिस भी दंग रह गई।

15 माह के बच्चे के साथ कुएं में गिरी महिला, दोनों की मौत

घर के पास पूजा करने गई थी, सीताफल के पेड़ से फल तोड़ने के दौरान पैर फिसलने से हुआ हादसा

भोपाल। बैरसिया तहसील के गुनगा थाना इलाके में एक महिला और उसके 15 माह के बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं में डूबने से मौत हो गई। घटना शनिवार दोपहर की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मर्ग कायमी के बाद पुलिस ने मामले को विवेचना में ले लिया है। स्वजन ने पुलिस को बताया कि महिला बच्चे को गोद में लेकर कुएं के पास लगे पेड़ से सीताफल तोड़ रही थी, तभी संतुलन बिगड़ने से मां-बेटे दोनों कुएं में जा गिरे। गुनगा थाना प्रभारी एचएस वर्मा ने बताया बैरसिया के नलखेड़ा निवासी 27 वर्षीय संगीता की शादी तीन वर्ष पहले गुनगा निवासी किसान सुनील कुशवाहा से हुई थी। उसका 15 माह का बेटा भी था। शनिवार दोपहर संगीता बेटे को गोद में लेकर घर से 50 मीटर की दूरी पर कुएं के पास बने देवी के स्थान पर पूजा करने गई थी। दोपहर करीब 12.30 बजे वह बच्चे के साथ अचानक कुएं में गिर पड़ी। स्वजन ने गांव वालों की मदद से दोनों के शव बाहर निकाले। शुरूआती पूछताछ में स्वजन ने बताया कि संगीता, बच्चे को गोद में लेकर सीताफल तोड़ रही थी, तभी पैर फिसलने से पेड़ के पास कुएं में गिर गई। मामले की जांच की जा रही है।

आठ महीने में मिले डेंगू के 851 मरीज, सितंबर में मिले 574 पॉजिटिव

अक्टूबर के तीन दिन में मिले डेंगू के 78 मरीज

रोकथाम के लिए डाक्टर समेत मलेरिया टीम ने संभाला मैदान

भोपाल। प्रदेश के ग्वालियर में डेंगू का प्रकोप सितंबर माह में तेजी से बढ़ा है। हालात यह हो गए हैं कि हर दिन डेंगू के मरीज हर क्षेत्र से सामने आए। आठ माह तीन दिन में डेंगू के मरीजों की संख्या 851 है। वहीं सितंबर माह में डेंगू के मरीजों की संख्या 574 पहुंच गई। इससे मरीजों का प्रतिशत 67 रहा। बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा रही, जबकि बीते साल सितंबर माह में महज 192 डेंगू के मरीज सामने आए थे। इतनी संख्या में डेंगू के मरीज बढ़ने से न केवल स्वास्थ्य विभाग बल्कि नगर निगम अफसरों को मच्छरों की रोकथाम करने में पसीना आ गया। जानकारों का कहना है कि अक्टूबर माह में भी डेंगू का असर देखने को मिलेगा। अक्टूबर माह के तीन दिन में 78 मामले सामने आ चुके हैं। हालांकि डेंगू रोकथाम के लिए डाक्टर समेत मलेरिया टीम को मैदान में उतारा गया है। मलेरिया विभाग के साथ नगर निगम की टीम सर्वे के साथ चालानी कार्रवाई कर रही है, लेकिन केस मिलने का सिलसिला थमा नहीं है। निगरानी के लिए बनाई गई डाक्टरों की टीम भी रोजाना वीडिया काल करने के साथ मौके पर पहुंच कर सर्वे टीम से जानकारी जुटा रही हैं, लेकिन लार्वा कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

हर दिन बढ़ता रहा आंकड़ा सितंबर माह की पहली तारीख को छोड़ दिया जाए, तो इसके बाद हर दिन डेंगू पीड़ितों की संख्या का आंकड़ा बढ़ता ही चला गया। इस माह में सबसे ज्यादा 38 केस 18 तारीख को मिले। सबसे कम केस चार और नौ तारीख को मिले। लगातार बढ़ते आंकड़े के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अतिरिक्त टीम सर्वे के लिए तैनात की, लेकिन डेंगू के मामले नहीं थमे।

जिले में 12 बच्चों समेत 20 नए डेंगू संक्रमित मिले शुक्रवार को जीआरएमसी और जिला अस्पताल की लैब में हुए 320 सैंपल की जांच में 12 बच्चों सहित 20 नए डेंगू संक्रमित मिले। संक्रमित बच्चों का प्रतिशत 50 रहा। रिपोर्ट में कुल पाजिटिव की संख्या 37 थी, इनमें 17 दूसरे जिलों के हैं। इनकी जानकारी संबंधित जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को मलेरिया विभाग ने दी। डेंगू संक्रमितों में दो साल से लेकर 16 साल के बच्चे शामिल हैं। जनवरी से लेकर अब तक 851 डेंगू केस मिल चुके हैं। वहीं जनवरी से अभी तक कुल 11 हजार 725 सैंपल की जांच में यह केस मिले हैं। इधर जिला कम्युनिटी मोबीलाइजर एमएस खान ने शंकरपुर एवं वार्ड 35 में पहुंचकर लार्वा सर्वे का निरीक्षण किया। उन्होंने आशा कार्यकताओं से कंटेनरों में रसायन का छिड़काव कराया। साथ ही लार्वा नष्ट कराया। एचबीवाइसी के तहत नौ माह के बच्चों की जांच कराई। डीसीएम द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर बच्चों का वजन कराया गया। उन्होंने टीकाकरण कार्य भी देखा।

गैर राजनीतिक परिवार के एक लाख सदस्य बनाएगी भाजपा

आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स कार्यक्रम जारी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को रवींद्र भवन में संगठन पर्व के तहत ह्लआई एम बीजेपीह्ल फ्यूचर फोर्सह्ल कार्यक्रम का शुभारंभ कर उद्यमियों, इंटेलेक्चुअल्स, प्रोफेशनल्स एवं बुद्धिजीवियों को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का विजन है कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है। उस विजन का नेतृत्व भारत के युवा, प्रोफेशनल्स, सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत उद्यमी, इंटेलेक्चुअल्स और प्रोफेशनल्स करेंगे। प्रधानमंत्री के 1 लाख गैर राजनैतिक युवाओं को सक्रिय राजनीति में लाने के अभियान में मध्यप्रदेश भाजपा अहम भूमिका निभाएगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से मैं आप सभी से आह्वान करता हूं कि भारत को विश्व गुरु बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही भारतीय जनता पार्टी को ताकत देने तथा 2047 के विकसित भारत को दिशा देने के लिए भारतीय जनता पार्टी से जुड़ें।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने बदला पॉलीटिक्स का वर्क कल्चर शर्मा ने कहा कि आप लोगों के मन में यह सवाल उठ सकता है कि प्रधानमंत्री जी का विजन क्या है? तो इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि 2014 में देश की बागडोर संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पॉलीटिक्स का वर्क कल्चर बदल दिया है और राजनीति को एक नई कार्य संस्कृति दी है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि चाहे सांसद हों, विधायक हों या कोई अन्य जनप्रतिनिधि, मैं सभी से वही करने को कहता हूं, जो मैं कर सकता हूं। जो मैं नहीं करता हूं, उसके लिए मैं किसी से कहता नहीं हूं। शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी हमारा संगठन पर्व चल रहा है और लाखों लोग भारतीय जनता पार्टी से जुड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी एक विचार पर चलने वाली पार्टी है, सिर्फ सत्ता के लिए राजनीति नहीं करती। जो दल सिर्फ सत्ता के लिए राजनीति करते हैं, वो देश को संकट में डाल देते हैं। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री रचनात्मक सोच के साथ भारत को विकसित देश बनाने के विजन को लेकर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 1 लाख गैर राजनैतिक युवाओं को सक्रिय राजनीति में लाने के अभियान में मध्यप्रदेश

भाजपा अहम भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री चाहते है कि गैर राजनैतिक युवा अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले प्रोफेशनल्स एवं उद्यमी जब राजनीति में आयेंगे तो उनके अनुभव का लाभ देश को मिलेगा।

संपादकीय

वायु प्रदूषण रोकने के लिए नहीं हुए ईमानदार प्रयास

एक बार फिर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण रोकने के लिये प्रभावी कदम नहीं उठाने पर पंजाब व हरियाणा सरकार को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि सरकारों ने पराली जलाने के दोषियों से नाममात्र का ही जुर्माना वसूला, जिसके चलते इसे जलाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। फलतः दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निरंतर प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी खरी-खोटी सुनायी है कि उसने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये उसके निर्देशों को लागू करने का ईमानदार प्रयास नहीं किया। दो सदस्यीय पीठ ने सख्त नाराजगी जतायी कि गत 29 अगस्त को दिल्ली में वायु प्रदूषण पर चर्चा के लिये बुलाई आयोग की बैठक में ग्यारह में से सिर्फ पांच सदस्य ही शामिल हुए। पराली जलाने की घटनाओं पर शिथिलता बरतने पर कोर्ट ने केंद्र सरकार व वायु गुणवत्ता आयोग को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दायर करने को कहा है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिये आगामी 16 अक्टूबर की तारीख तय की है। यह विडंबना ही है कि प्रदूषण के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तो लगातार होती रही है लेकिन पराली व प्रदूषण बढ़ाने वाले अन्य कारकों पर रोक लगाने के लिये कोई ईमानदार प्रयास होते नजर नहीं आते। अदालत ने गत वर्ष भी कहा था कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिये सतत निगरानी की जानी चाहिए। इसके विपरीत दिल्ली सरकार, हरियाणा व पंजाब में पराली का मुद्दा राजनीति के रंग में रंगता रहा है। यही वजह है कि बीते साल की तरह ही इसी मौसम में फिर से प्रदूषण की समस्या विकट होती जा रही है। फिर ठंड का मौसम आते ही भौगोलिक कारणों से प्रदूषण विकराल रूप लेने लगता है। दिवाली पर तो पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। निस्संदेह, यह तंत्र की काहिली का ही नतीजा है, जिसके चलते दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी का दर्जा हासिल कर लेती है। दरअसल, प्रदूषण के एक घटक पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि की वजह भी वोटों की राजनीति ही है। सरकारें पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती रही हैं। उन्हें अपने वोट बैंक के खिसकने की चिंता सताती रहती है। हाल ही में वायु गुणवत्ता आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि गत पंद्रह से पच्चीस सितंबर के मध्य पंजाब में पिछले साल इन दिनों के मुकाबले में दस गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। वहीं बीते वर्ष इसी अवधि के मुकाबले इस वर्ष हरियाणा में पांच गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई। सवाल यह है कि हर साल सितंबर से नवंबर के बीच बढ़ने वाली पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लगाया जा रहा है? बावजूद इसके कि शीर्ष अदालत बार-बार सख्त निगरानी की बात कहती रहती है। लेकिन सरकारों के तमाम दावों के बावजूद किसानों को ऐसा कारगर विकल्प नहीं दिया जा सका है कि किसान को खेत में पराली जलाने की जरूरत न पड़े। दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकारें भी तभी जागती हैं जब राजधानी व उसके आसपास के इलाकों में प्रदूषण के कारण जीवन पर संकट उत्पन्न होने लगता है। यहां तक कि अदालत के आदेश भी क्रियान्वयन की बाट जोहते रह जाते हैं। जबकि आंकड़े बता रहे हैं कि हर साल देश में लाखों लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं या फिर उनके जीवन की प्रत्याशा में कई सालों की कमी हो जाती है। लेकिन इसके बावजूद दिल्ली व अन्य राज्यों की सरकारें जन स्वास्थ्य के लिये उपजे बड़े संकट के प्रति संवेदनशील रवैया नहीं अपनाती हैं। वैसे राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण में पराली के अलावा तमाम अन्य कारक भी हैं। सड़कों पर उतरती पेट्रोल-डीजल वाहनों की सुनामी, सार्वजनिक यातायात की कमी व उद्योग व निर्माण कार्यों में लापरवाही भी प्रदूषण की बड़ी वजह है। दरअसल, इस संकट से मुक्ति के लिये समग्र दृष्टि से कदम उठाये जाने चाहिए। वजह यह है कि भारत में सभी स्रोतों से होने वाले बाहरी वायु प्रदूषण के कारण प्रतिवर्ष 21 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। द बीएमजे (द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल) में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बाहरी वायु प्रदूषण भारत में प्रति वर्ष 21 लाख 80 हजार लोगों की जिंदगी छीन लेता है। इस मामले में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। शोध के अनुसार उद्योग, बिजली उत्पादन और परिवहन में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण दुनियाभर में प्रतिवर्ष 51 लाख लोगों की मौत होती है। इन मौतों को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल करके कम किया जा सकता है। हवा में मौजूद जहरीले प्रदूषक समय से पहले होने वाली मौतों के साथ-साथ गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। इसलिए लोगों को मास्क लगाने, सार्वजनिक परिवहन जैसे सुरक्षात्मक उपायों का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए सरकार और लोगों को संयुक्त प्रयास करने होंगे।

अब आम इंसान की अंतरिक्ष में चहलकदमी

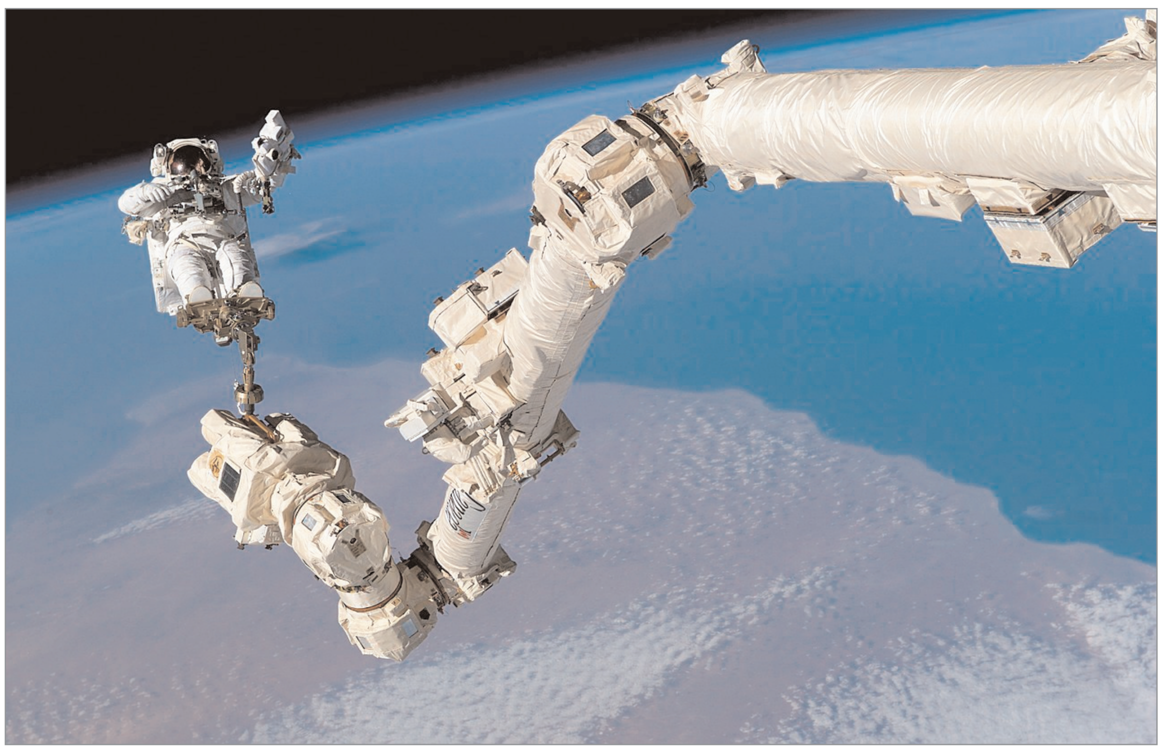

अंतरिक्ष सबका है। इस धरती पर रहने वाले सभी प्राणियों के लिए यह एक साझी जगह है। हम मनुष्यों के लिए तो खास तौर से अंतरिक्ष रिझाने वाला ऐसा स्थान है, जिसके आंगन में उतरकर हम सिर्फ इस पृथ्वी के नहीं रह जाते। बल्कि पूरे ब्रह्मांड के बाशिंदे हो जाते हैं। पर अभी तक इस साझेदारी का मौका जिन करीब सात सौ लोगों को मिला है, उनमें से ज्यादातर सरकारी अंतरिक्ष संगठनों के वैज्ञानिकों या इंजीनियरों के रूप में अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं। यही नहीं, जब से स्पेस टूरिज्म का सिलसिला शुरू हुआ है, आम इंसान तो सिर्फ अंतरिक्ष की सरहदें छूकर लौटते रहे हैं। लेकिन इस साल यानी सितंबर 2024 में यह परंपरा टूट गई। ऐसा पहली बार हुआ, जब आम इंसानों ने वैज्ञानिकों की तरह अंतरिक्ष में चहलकदमी यानी स्पेसवॉक की। वे वहां कुछ समय तक रुके और करीब तीन दर्जन प्रयोग भी किए। यह करिश्मा किया अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी- नासा की मदद से एक निजी कंपनी- स्पेसएक्स द्वारा आयोजित मिशन पर गए उन आम नागरिकों ने जिन्होंने इस आयोजन के लिए काफी बड़ी रकम चुकाई थी। ये चार आम नागरिक थे- जारेड आइसैकमैन (मिशन कमांडर), स्कॉट 'किड' पोटीट (पायलट), साराह गिलिस और अन्ना मेनन।

असल में, 10 सितंबर 2024 को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से टेस्ला और ट्विटर (अब एक्स) के मालिक एलन मस्क की कंपनी- स्पेसएक्स ने पांच दिवसीय पोलारिस डॉन मिशन के लिए अपने ताकतवर रॉकेट फॉल्कन-9 से जो यान रवाना किया था, उस पर ये चारों आम लोग सवार थे। इस मिशन को जारेड आइसैकमैन और एनल मस्क ने साझा रूप से धन मुहैया कराया था। प्रक्षेपण के बाद उनका यान चारों लोगों को मानव सभ्यता के इतिहास में पहली बार अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा ऊंचाई यानी पृथ्वी से 1408 किलोमीटर ऊपर की कक्षा अर्थात ऑर्बिट में ले गया। इससे पहले यह रिकॉर्ड नासा के मिशन जेमिनी-11 के नाम था, जो वर्ष 1966 में अंतरिक्ष में 1373 किमी (853 मील) की ऊंचाई तक गया था। उसके बाद नासा के चंद्र अभियान- अपोलो कार्यक्रम में ही इंसान इससे ऊपर की कक्षा में गए थे, लेकिन तब उनका उद्देश्य चंद्रमा पर उतरना था। इस तरह कह सकते हैं कि जेमिनी-11 और अपोलो मिशनों के बाद किसी भी इंसान द्वारा अंतरिक्ष में हासिल की गई यह सर्वाधिक ऊंचाई है, जहां पोलारिस डॉन मिशन से चार आम इंसान पहुंचे हैं। कीर्तिमान सिर्फ उनका वहां पहुंचना ही नहीं है बल्कि 12 सितंबर को इनमें से दो आम इंसानों ने स्पेसवॉक भी किया। उनका यान थोड़ा नीचे आकर जब पृथ्वी से 737 किमी की ऊंचाई पर टिक गया, तब एक नए एडवांस प्रेशराइज्ड सूट में मिशन कमांडर जारेड आइसैकमैन यान के कैप्सूल से बाहर निकले और 15 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की। इस चहलकदमी को दुनिया की पहली प्राइवेट एक्स्ट्राव्हीकलर एक्टिविटी (स्पेसवॉक) के रूप में दर्ज किया गया है।

मिशन कमांडर आइसैकमैन के बाद सारा गिलिस ने उनका अनुसरण किया। यानी स्पेसवॉक का स्वाद चखा। आइसैकमैन ने स्पेसवॉक के बाद कहा कि वैसे तो घर वापसी के बाद हम सभी के पास करने के लिए बहुत काम है, लेकिन यहां से हमारी पृथ्वी एक आदर्श दुनिया की तरह दिखती है। यूं तो स्पेसवॉक से जुड़े कई कीर्तिमान पहले ही बन चुके हैं। जैसे अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा बार 'घुम्मी-घुम्मी' (स्पेसवॉक) करने का विश्व रिकॉर्ड रूसी अंतरिक्ष यात्री अनातोली सोलोवयेव के पास है। वे 16 बार स्पेसवॉक कर चुके हैं। उनके ये स्पेसवॉक अंतरिक्ष में 82 घंटे से ज्यादा समय के बराबर हैं। कह सकते हैं कि उन्होंने कुल मिलाकर साढ़े तीन दिन यान से बाहर निकलकर खुले अंतरिक्ष में बिताए हैं।

इस अंतरिक्षीय चहलकदमी के अलावा चारों आम अंतरिक्षयात्रियों ने 31 अलग-अलग संस्थानों के साथ मिलकर इस दौरान वहां इंसानी सेहत से जुड़े 36 किस्म के शोध और प्रयोग भी किए। आखिर में 15 सितंबर को वापसी की यात्रा में 27 हजार किमी की रफ्तार के साथ पृथ्वी के वायुमंडल में घर्षण के कारण 1900 डिग्री तापमान में 'डी-ऑर्बिट बर्न' करते हुए स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन कैप्सूल जब कामयाबी के साथ फ्लोरिडा (अमेरिका) के ड्राई टोटुर्गास कोस्ट पर पानी में उतरा, तो इसने एक नया इतिहास रच दिया। अंतरिक्ष से लौटते वक्त पृथ्वी के वायुमंडल का घर्षण झेलना कितना खतरनाक हो सकता है, इसे 21 साल पहले 1 फरवरी 2003 को स्पेस शटल कोलंबिया के हादसे से समझा जा सकता है। स्पेस मिशन से लौटते वक्त टेक्सास और लुसियाना के ऊपर हीटशील्ड में छूट गई खामी के कारण कोलंबिया स्पेस शटल आग के शोलों में बदल गया था। इसमें भारतीय मूल की मिशन विशेषज्ञ कल्पना चावला समेत चालक दल के सभी सातों सदस्य मारे गए थे। इसलिए क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की हीटशील्ड ने चारों अंतरिक्षयात्रियों को 1900 डिग्री तापमान में सुरक्षित रखा है तो इसे भी एक उपलब्धि माना जा सकता है। पूरे मिशन में स्पेसएक्स के बनाए रॉकेट फॉल्कन-9 की भी एक खास भूमिका है। यह दोबारा इस्तेमाल में आने वाला यानी रीयूजेबल रॉकेट है, जो एक से ज्यादा बार अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है।

नासा हो या इसरो, निजी कंपनियों का अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में सहयोग लेना अब नया नहीं रह गया है। बल्कि अगर किसी की जेब में पैसा हो, तो वह निजी स्पेस कंपनियों के जरिये अंतरिक्ष भ्रमण का अपना सपना पूरा कर सकता है। जैसा कि इसी वर्ष मई में एक भारतीय गोपी थोटाकुरा ने किया था। थोटाकुरा 19 मई 2024 को ई-कॉमर्स मंच अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजन के मिशन- न्यू शेपर्ड 25 पर सवार होकर 5 पर्यटकों के साथ अंतरिक्ष कही जाने वाली सरहद तक पहुंचे थे। इस तरह विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद ऐसा कारनामा करने वाले वे दूसरे भारतीय बन गए थे। फर्क सिर्फ यह है कि राकेश शर्मा किसी निजी स्पेस कंपनी की बजाय रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) के सरकारी अंतरिक्ष कार्यक्रम- इंटर कॉसमॉस के सोयुज टी-11 से तीन अप्रैल 1984 को स्पेस में पहुंचे थे।

जहां तक अंतरिक्ष पर्यटन की निजी मुहिमों का सवाल है, तो यह रास्ता दो दशक पहले ही, साल 2001 में अमेरिका के अमीर डेनिस टीटो की उपलब्धि के साथ खुल गया था। 30 अप्रैल 2001 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच कर वह निजी तौर पर स्पेस में पहुंचने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने थे। बाद में यही काम कई अन्य लोगों ने उसी तरह किया, जैसे हर साल सैकड़ों लोग रोमांच (एडवेंचर) के लिए एवरेस्ट पर चढ़ने का जोखिम लेते हैं। लेकिन अंतरिक्ष संधान के मामले में अब बात इससे भी आगे निकल गई है।

अब अंतरिक्ष में निजी कंपनियों के कामकाज का दायरा तकनीक और जटिल कार्यों तक बढ़ गया है, जहां पहले वे वर्जित थीं। जैसे, उनके रॉकेट यान के प्रक्षेपण में काम आ रहे हैं। जैसे उनके स्पेसक्रॉफ्ट नासा के अंतरिक्षयात्रियों को ढोने में काम आ रहे हैं। नासा को ही नहीं, इसरो को भी तकनीकी कुशलता और जटिल कार्यों में निजी कंपनियों का सहयोग लेने में कोई गुरेज नहीं है। इसरो में यह सहयोग किस स्तर का है, इसका अंदाजा इससे लगता है कि दो साल पहले 18 नवंबर 2022 को इसरो के जरिये एक निजी रॉकेट विक्रम-एस का जो सफल प्रक्षेपण किया गया था, उसे हैदराबाद के स्पेस स्टार्टअप- स्काईरूट ने बनाया था। यह पहल भारत में अंतरिक्षीय कार्यक्रमों के निजीकरण के एक मिशन 'प्रारंभ' के साथ शुरू हुई है। असल में, निजी अंतरिक्ष कंपनियों को इसका अहसास हो चला है कि आने वाले वक्त में सरकारी कंपनियां अंतरिक्षीय कार्यक्रमों पर जनता के पैसे यानी टैक्स के खर्च को लेकर होने वाली टीका-टिप्पणी से बचना चाहेंगी। ऐसे में वे ज्यादा से ज्यादा कामकाज निजी कंपनियों को सौंप सकती हैं। खासतौर से अंतरिक्ष पर्यटन में पैसे झोंकने का जोखिम सरकारी अंतरिक्ष संगठन हरगिज नहीं लेना चाहते हैं। वजह यह है कि इसमें खर्च और कमाई की तस्वीर साफ नहीं है। दूसरे, यह क्षेत्र अत्यधिक जोखिम भरा है। और कुछ नहीं तो मान लीजिए कि स्पेस टूरिस्ट उसी तरह अंतरिक्ष में जाकर अटक गए, जैसे इन दिनों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर फंसे हुए हैं। तो ऐसे में, सारी तोहमत निजी अंतरिक्ष कंपनियों पर लगे- सरकारी कंपनियों को यह ज्यादा सुहाता है।

इंसान ने पृथ्वी के अलावा जिस जमीन पर चहलकदमी की है, वह चंद्रमा की है। इसके अलावा विमान यात्रा में या फिर आईएसएस पर थोड़ी-बहुत कदमताल हमारे खाते में आती है। इसमें सबसे दिलचस्प मामला स्पेसवॉक का है, जिसका मौका अंतरिक्ष में गए हर शख्स को नहीं मिलता है। कायदे से अंतरिक्ष में मौजूद रहते हुए यान से बाहर निकलने की गतिविधि को स्पेसवॉक कहा जाता है। विज्ञान की भाषा में ईवीए यानी एक्स्ट्राव्हीक्यूलर एक्टिविटी की नौबत अमूमन तब आती रही है, जब आईएसएस या किसी अन्य मिशन पर गए स्पेसक्रॉफ्ट से बाहर निकलकर किसी उपकरण की मरम्मत करने की जरूरत पैदा हुई है। स्पेसवॉक करते वक्त विज्ञानी कई प्रयोग भी करते रहे हैं, जैसे अंतरिक्ष में मौजूद रहने पर शरीर तथा मशीनों पर क्या असर पड़ता है। नए उपकरणों और उनकी प्रणालियों को जांचने के लिए अंतरिक्ष में बाहर आकर प्रयोग करने पड़ते हैं। आईएसएस या किसी अन्य यान के पुर्जों या उपकरणों की मरम्मत के लिए उन्हें पृथ्वी पर लाने की बजाय स्पेसवॉक करते हुए वहीं ठीक करने की कोशिश की जाती है।

स्पेसवॉक करने वाले दुनिया के पहले शख्स रूसी अंतरिक्षयात्री एलेक्सी लियोनोव थे, जो 18 मार्च 1965 को 10 मिनट के लिए आईएसएस से बाहर निकले थे। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री एडवर्ड एच. व्हाइट को यह करिश्मा करने का मौका बहुत जल्द 3 जून, 1965 को ही मिल गया था जोकि जेमिनी-4 मिशन से स्पेस में गए थे। उनकी चहलकदमी 23 मिनट तक चली थी। हालांकि कीर्तिमान के मामले में रूसी अंतरिक्षयात्री अनातोली सोलोवयेव की बराबरी अब तक कोई नहीं कर सका है, जो 16 बार स्पेसवॉक कर चुके हैं। हालांकि इसमें एक रिकॉर्ड अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों के नाम है। नासा के चार अंतरिक्ष यात्रियों क्रमशः माइकल लोपेज-एलेग्रिया, पैगी व्हिटसन, बॉब बेहनकेन और क्रिस कैसिडी ने 10-10 बार स्पेसवॉक किया है। इनमें स्पेस स्टेशन के बाहर सबसे ज्यादा यानी 67 घंटे बिताने का रिकॉर्ड माइकल लोपेज के नाम है।

6500 फीट की ऊंचाई पर मोर, जलवायु परिवर्तन की निशानी

उत्तराखंड के कुमाऊं हिमालय क्षेत्र से एक आश्चर्यजनक दृश्य सामने आया है। बागेश्वर के पहाड़ी क्षेत्र में एक मोर को देखा गया है। इससे वन्यजीव विशेषज्ञ हैरान रह गए। आमतौर पर निचले जंगलों और गर्म मैदानों में पाए जाने वाले मोर इतनी ऊंचाई पर शायद ही कभी देखे जाते हैं, जिससे यह नजारा बेहद असामान्य हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मोर आम तौर पर समुद्र तल से 1600 फीट ऊपर के क्षेत्रों में रहते हैं। हालांकि, पक्षी को हाल ही में बागेश्वर के पास एक जंगल में देखा गया, जो लगभग 6500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस खोज ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि पक्षी इतनी ऊंचाई पर क्यों गया, जिससे आगे की जांच शुरू हो गई है।

स्थानीय निवासियों ने बागेश्वर से 30 किलोमीटर दूर 5200 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित काफलीगैर गांव में सबसे पहले मोर को देखा। पक्षी को पहली बार दो महीने पहले देखा गया था, जिससे स्थानीय लोगों में दिलचस्पी पैदा हुई। इस पर वन विभाग ने पक्षी की गतिविधियों पर नजर रखने और पक्षी की मौजूदगी के बारे में और अधिक डेटा इकट्ठा करने के लिए क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगाए।

वन्यजीव विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या यह दुर्लभ दृश्य एक अलग घटना है? या, एक बड़े पर्यावरणीय बदलाव का हिस्सा है, जिसे जलवायु परिवर्तन से जोड़ा जा सकता है। जानवरों के प्रवास और आवास पैटर्न में बदलाव को अक्सर व्यापक पारिस्थितिक परिवर्तनों के संकेतक के रूप में देखा जाता है। इस ऊंचाई पर मोर का दिखना एक चेतावनी संकेत हो सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, देहरादून में भारतीय वन्यजीव संस्थान के एक वैज्ञानिक बीएस अधिकारी ने इस दृश्य के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह निस्संदेह एक असामान्य घटना है। मोर मैदानी और जंगली इलाकों में रहने के लिए जाने जाते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति जलवायु या पर्यावरणीय परिवर्तनों का संकेत हो सकती है, जिसकी विस्तृत जांच की आवश्यकता है।

बागेश्वर वन विभाग के रेंजर श्याम सिंह करायत ने बताया कि मौसम के बदलते पैटर्न और आवास में बदलाव जानवरों को नए क्षेत्रों की खोज करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। करायत ने बताया कि मौसम के पैटर्न और आवास में बदलाव के कारण, जानवर नए इलाकों में जाने लगे हैं। यह संभव है कि पक्षी भोजन या पानी की तलाश में अधिक ऊंचाई पर चले गए हों।

वन्यजीवों के लिए इसका क्या मतलब है? बागेश्वर के पहाड़ी इलाकों में मोर की मौजूदगी ने सवाल खड़े किए हैं, लेकिन यह पर्यावरणीय कारकों के कारण वन्यजीवों के व्यवहार में संभावित बदलावों को भी उजागर करता है। चल रही जांच का उद्देश्य यह निर्धारित करना होगा कि क्या यह घटना व्यापक जलवायु रुझानों से जुड़ी है या यह एक अलग मामला है।

एक और बात यह कि धरती पर पहाड़ केवल 25 फीसदी हिस्से को कवर करते हैं, लेकिन इसके बावजूद वो दुनिया के 85 फीसदी उभयचरों, पक्षी और स्तनधारी जीवों का घर हैं। मतलब, ये पहाड़ जैवविविधता की अमूल्य धरोहर को संजोए हुए हैं, जिन्हें बचाए रखने की आवश्यकता है। इन पहाड़ों पर मौसम, ऊंचाई जैसे कई कारक हैं जो प्रजातियों की मौजूदगी को प्रभावित करते हैं। इसका मतलब है कि पहाड़ों पर जलवायु परिस्थितियों और ऊंचाई के साथ प्रजातियों की संख्या में बदलाव हो सकता है।

लेकिन एक नए अध्ययन में पर्वतों के मध्य हिस्सों में रहने वाले पक्षियों के बारे में एक दिलचस्प बात पता चली है कि ओकोफिला वंश से संबंध रखने वाली चींटियां की मौजूदगी इन पक्षियों की विविधता को प्रभावित कर रही है। यह अध्ययन भारतीय विज्ञान संस्थान के पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र (सीईएस) से जुड़े वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। इस अध्ययन के नतीजे जर्नल इकोलॉजी लेटर्स में प्रकाशित हुए हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता और प्रोफेसर कार्तिक शंकर के हवाले से कहा गया है कि 'पहाड़ों में, आप अकसर प्रजातियों की विविधता का एक पैटर्न देखते हैं, जहां मध्य क्षेत्रों में अधिक प्रजातियां होती हैं। लोगों को लंबे समय से इस बात पर आश्चर्य होता रहा है कि ऐसा क्यों है। इसका एक कारण यह है कि वे इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते कि जीवित जीव कैसे परस्पर क्रिया और प्रतिस्पर्धा करते हैं।

ओकोफिला चींटियां, जो अपने आक्रामक और प्रभावशाली व्यवहार के लिए जानी जाती हैं। यह अफ्रीका, एशिया और ओशिनिया जैसे क्षेत्रों में पहाड़ों की तलहटी में कीटों की बेहद आक्रामक शिकारी होती हैं। अपने अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इस बात की ही जांच की है कि कैसे ये चीटियां विशेष तौर पर पहाड़ों के निचले हिस्सों में कीटों को खाने वाले पक्षियों की संख्या को प्रभावित करती हैं। इससे पहले शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ट्रेवर डी प्राइस द्वारा किए अन्य अध्ययन से पता चला है कि पूर्वी हिमालय में ओकोफिला चींटियों की मौजूदगी ने कीटों की संख्या कम कर दी, जिसका असर इन कीटों पर निर्भर रहने वाले पक्षियों की मौजूदगी पर पड़ सकता है। ऐसे में इस नए अध्ययन में शोधकर्ता यह समझना चाहते थे कि क्या यही पैटर्न अन्य प्रकार के कीट-भक्षी पक्षियों के साथ भी होता है। इस अध्ययन में सीईएस से जुड़े प्रोफेसर उमेश श्रीनिवासन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने विभिन्न पर्वत श्रृंखलाओं में अलग-अलग ऊंचाई पर पाई जाने वाली पक्षी प्रजातियों के मौजूदा आंकड़ों का उपयोग किया। उन्होंने पक्षियों को उनके आहार के आधार पर वर्गीकृत किया, जैसे कि कीटभक्षी और सर्वाहारी जो पौधों के साथ दूसरे कीटों को भी खाते हैं।

श्रीनिवासन ने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए कहा कि हमने इस बात का अध्ययन किया कि ये पक्षी कहां रहते हैं। इनमें प्रत्येक समूह की कौन सी पक्षी प्रजातियां 100 मीटर की ऊंचाई पर पाई जाती हैं, फिर 200, 300 मीटर की ऊंचाई और उसके आगे भी कौन से प्रजातियां रहती हैं। हमने इस आधार पर उन पहाड़ों में पक्षियों की भी तुलना की है जहां ओकोफिला चींटियों मौजूद हैं और जहां इनकी मौजूदगी नहीं है।

अध्ययन से पता चला है कि ओकोफिला चींटियां पहाड़ों ने निचले हिस्सों में भोजन के लिए कीट-भक्षी पक्षियों से प्रतिस्पर्धा करती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इसने पक्षियों को ऊंचाई पर रहने प्रेरित किया, जहां पक्षियों की करीब 960 मीटर की ऊंचाई पर विविधता सबसे अधिक थी।

वहीं अन्य पक्षी जो फूलों के पराग, और फलों पर निर्भर थे, ऊंचाई बढ़ने के साथ-साथ उनकी प्रजातियों की विविधता में कमी दर्ज की गई।

कोतमा पुलिस ने अवैध रेत परिवहन करने वाले के विरूद्ध की कार्यवाही

रेत से भरा ट्रेक्टर जप्त करा

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।

कोतमा, दिनांक 06/10/2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि रेऊला डेबरी टोला बंधा में कुछ लोग ट्रेक्टर से अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन कर रहे हैं सूचना पर हमराह पुलिस स्टाफ के मौके से जाकर रेड कार्यवाही की गई तो में एक नीले रंग का स्वराज कम्पनी का नंबर MP 65_ AA_2434 का ट्रेक्टर चालक रेत लोड कर परिवहन करते पाया गया चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम राजेंद्र प्रसाद पनिका पिता भूपत पनिका उम्र 26 साल निवासी रेउला बंधा टोला थाना कोतमा का होना एवं ट्रेक्टर के स्वामी रामनाथ घसिया निवासी रेउला के कहने पर डेबरी टोला बंधा से चोरी से रेत निकाल कर लोड़कर परिवहन करना बताया जिनके कब्जे से एक नीले रंग का ट्रेक्टर नंबर MP 65_ AA_2434 स्वराज कम्पनी व ट्राली में अवैध रेत लोड कुल मशरूका 5,53000/- रूपये का जप्त कर आरोपी चालक राजेंद्र प्रसाद पनिका पिता भूपत पनिका उम्र 26 साल निवासी रेउला बंधा टोला थाना कोतमा का होना एवं ट्रेक्टर के स्वामी रामनाथ घसिया

निवासी रेउला के खिलाफ धारा 303(2) बी एन एस एवं 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । जिसमे महत्वपूर्ण भूमिका निरीक्षक श्री सुन्द्रेश सिंह , सहायक उप निरीक्षक बृजेश पांडेय, आर.संजय द्विवेदी ,आर.चालक 575 दिनेश किराडे की भूमिका सराहनीय रही।

कोतमा पुलिस द्वारा दुर्गा जी मंच ग्राम बोडरी में मैं हूं अभिमन्यु कार्यक्रम का आयोजन

गांव की महिलाए, बच्चिया ,एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, आज दिनांक 06/10/24 को कोतमा पुलिस द्वारा दुर्गा जी मंच ग्राम बोडरी में मैं हूं अभिमन्यु विशेष जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गांव की महिलाए, बच्चिया ,एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे जिंहे महिलाओ और बालिकाओ के खिलाफ हो रहे अपराधो, घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं बालिकाओ के लिए समाज में सुरक्षित वातावरण निर्मित किये जाने हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। तथा मैं हूं अभिमन्यु संदेश के माध्यम से पुरुषों को समाज में व्याप्त नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, असंवेदनशीलता, भ्रूण हत्या, अशिक्षा और लिंग भेद जैसी सामाजिक बुराईयो के खिलाफ जागरूक किया गया। तथा शासन की हेल्प लाइन

नंबरो के संबंध मे बताया गया. जागरूकता कार्यक्रम में थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक सुन्द्रेश सिंह, प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव, दिनेश राठौर, चालक आरक्षक दिनेश किराडे उपस्थित थे.

औल्याकन्हार नवरात्रि में माता बंगाली दुर्गा कि हुई स्थापना

आकर्षक लाइटिंग के साथ पडांल में स्थापित हुई पांच मुर्तियां,हो रहे धार्मिक आयोजन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ ।

लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग दो किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत औल्याकन्हार में नवरात्रि पर्व बहुत ही भक्ति भाव व श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है साथ ही साथ प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में ज्वारा का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया है जो कि कई वर्षों से निरंतर करते हुए आ रहे है जिसमे पंडा कि भूमिका तरुण नागेश्वर द्वारा बखूबी निभाते हुए सुबह-शाम आरती करवाई जा रही है,जिसमे सभी ग्रामीणों का विशेष योगदान रहता है, साथ ही पिछले वर्ष कि तरह इस वर्ष भी शिव मंदिर के निकट में माता बंगाली दुर्गा जी कि स्थापना कि गई है,जिसमें विशेष प्रकार कि लाईटिंग के साथ सम्पूर्ण परिसर को सजाया गया है जो कि आकृषण का केन्द्र बन रहा है साथ में विशेष प्रकार कि झांकियां भी लगाई गई है। जिसमें उक्त कार्य को सफल बनाने के लिए ग्राम के सभी युवा साथी महिलाओं व बच्चों का विशेष योगदान मिल रहा है क्योंकि बिना सहयोग के कोई कार्य पुरे नहीं होते हैं सभी लोगों के सहयोग से कार्य सम्पन्न कराये जाते हैं। प्रेस को जानकारी देते हुए ग्राम सरपंच

श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने बताई कि 3 अक्टूबर दिन गुरुवार को सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना व ज्वारा रोपित किया गया तत्पश्चात शिव मंदिर के निकट हि माता रानी कि स्थापना कि गई साथ ही माता दुर्गा जी,माता लक्ष्मी जी,वीणा वादनी सरस्वती जी,प्रथम पुजनीय भगवान श्री गणेश व भगवान कार्तिकेय जी कि स्थापना कि गई है इन सब कामों में समीति सचिव हितेश नागेश्वर जी का विशेष योगदान मिल रहा है। जिसकी पुरी समीति उनके इस पुनीत कार्य से आभारी हैं तथा माता रानी में सुबह शाम पंडित राकेश तिवारी व उनके सहयोगी शिवभक्त नागराज उर्फ नागेन्द्र चौधरी जी के द्वारा सुबह-शाम माता के श्री चरणों में आरती करवाई जा रही है तथा7 अक्टूबर दिन सोमवार को क्युज काम्पीटिशन,दिनांक 8 अक्टूबर दिन मंगलवार को गरबा नृत्य (केवल महिलाएं),दिनांक 9 अक्टूबर दिन बुधवार को रात्रि में भजन संध्या (गायक- तुलसी पंचेश्वर), दिनांक 10 अक्टूबर दिन गुरुवार को डांस प्रतियोगिता (एकल, युगल व ग्रुप डांस), दिनांक 11 अक्टूबर दिन शुक्रवार को महाप्रसादी वितरण समय 6 बजे से व दिनांक 12 अक्टूबर दिन शनिवार को मां दुर्गा का विसर्जन एवं नगर भ्रमण औल्याकन्हार से बड़ी पनबिहरी, बसस्टैण्ड व पुन: औल्याकन्हार वापसी कर विसर्जन घाट पर लेकर विधिवत रूप से विसर्जन किया जायेगा। वहीं उक्त कार्य को सफल बनाने हेतु समीति का गठन किया गया है जिसमें समीति अध्यक्ष राजा हरिद्वाज,हितेश नागेश्वर सचिव,सनम ब्रम्हें व दयाप्रसाद नागेश्वर उपाध्यक्ष,निकेश ब्रम्हें कोषाध्यक्ष, संदीप गुनेश्वर सहसचिव वहीं सदस्यों में ओ पी बिसेन,प्रमोद चौहान,शीतल प्रसाद हरिद्वाज,चन्द्रशेखर बनवाले,राकेश नागेश्वर, मुकेश चौहान,मो सुलेमान खान,सुशील ब्रम्हें,शीतल ब्रम्हें,दीपक सिलारे,देवेस बिसेन,सोमदत्त यादव,छन्नूलाल कटरे,दीपक यादव,आकाश ब्रम्हें,लल्ला मेश्राम,उमाप्रसाद नागेश्वर,दीपक वराड़े, जितेन्द्र यादव,शुभम यादव, राकेश यादव, नारायण प्रसाद कटरे, सोहनलाल कटरे, सुनील बिसेन, सहित अन्य सभी लोग शामिल हैं।

लालबर्रा-सिवनी मार्ग पर हादसे जारी विधायक मुंजारे ने दिए सख्त निर्देश

विधायक अनुभा मुंजारे ने अधिकारियों के साथ किया रोड़ का निरीक्षण, सुधार हेतु दिए निर्देश

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ ।

लालबर्रा, लालबर्रा-सिवनी मार्ग पर हो रही लगातार सड़क दुर्घटनाओं और जर्जर सड़कों की समस्याओं को देखते हुए 5 अक्टूबर को विधायक अनुभा मुंजारे ने सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के सहायक प्रबंधक दीपक आड़े से विस्तृत चर्चा कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। विधायक मुंजारे ने ग्राम सिहोरा,नेवरगांव और कंजई घाटी के क्षेत्रों में सड़क की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सड़कों की मरम्मत कार्यों को अधूरा बताते हुए कहा कि गड्ढों की सफाई और मरम्मत तेजी से होनी चाहिए।उन्होंने निर्देश दिया कि मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए और जल्द से जल्द डामरीकरण का काम पूरा हो। सहायक प्रबंधक आड़े ने बताया कि कंजई से जेसीबी मशीनों द्वारा गड्ढों की सफाई शुरू हो चुकी है और डामरीकरण भी जल्द होगा। इस पर विधायक ने कहा कि 33

हादसे होने के बाद कोई चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाए जाएं ताकि हादसे रोके जा सकें। विधायक मुंजारे ने मीडिया से कहा कि सड़क की मौजूदा चौड़ाई 16 फीट है, जो बड़े वाहनों के लिए संकरी है। उन्होंने इस मार्ग को 4 लेन में तब्दील करने और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग की। निरीक्षण के बाद, मुंजारे ने कंजई बंजारी माता मंदिर में पूजा कर क्षेत्र की खुशहाली और सुरक्षा की कामना की।

कलेक्टर हटाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन पर बैठे मैहर के पत्रकार

निवास मिश्रा । सिटी चीफ

मैहर, मैहर जिले में इन दिनों पत्रकारो और प्रशासन के बीच मुद्दा गरमाया हुआ है प्रशासनिक खबरों के बहिष्कार के बाद अब मैहर जिले के सभी पत्रकार क्रमिक अनशन पर बैठ गए हैं और मांग पूरी न होने तक अनशन जारी रहने की बात पत्रकारो ने कही है,दरअसल मैहर के पत्रकारों का कहना है कि मैहर को जिले रुप मे आये तकरीबन एक वर्ष का समय गुजर गया ऐसे में जिले में कई आयोजन हुए कई बैठके हुए पर कभी प्रशासन द्वारा पत्रकारो को नही बुलाया न ही कभी किसी भी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया बीते कल मैहर में गौरव दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ मगर मैहर के गौरव के रूप में मनाए गए इस पर्व में पत्रकारों की किसी भी रूप में नही पूछा गया इसके साथ ही पत्रकारो ने आरोप लगाते हुए कहा कि नवरात्रि के इस पर्व में जहाँ देश भर से लाखों लोग माँ के दरबार में आते हैं ऐसे में समाचार संकलन के लिए जाना होता है मगर मैहर जिला प्रशासन द्वारा किसी भी तरह का पास नही बनाया गया जिससे पत्रकार मंदिर तक पहुँच सके इस सब चीजों से उपेक्षित पत्रकार आज प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह से मिलने पहुचे जहाँ देवी जी विश्राम गृह में मिलने पहुचे सभी पत्रकारो ने अपनी बात रखी इस बीच साथ मे मौजूद मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने आवेश में आकर अनर्गल बाते कर डाली विधायक ने कहा कि मैं विधायक से पहले श्रीकांत चतुर्वेदी हैं जो सेवा करेगा वो मेवा खायेगा इस बात से आहत होकर सभी पत्रकार वही पर धरने पर बैठ गए और कलेक्टर हटाओ मैहर बचाओ का नारा बुलंद करने लगे वही प्रभारी से सीएम से बात कराने की मांग की जब मंत्री बिना तवज्जो दिए विश्राम गृह से चले

गए तो सभी पत्रकार मैहर के घंटाघर में क्रमिक अनशन पर बैठ गए और कहा कि जब तक कलेक्टर को नही हटाया जाएगा तब तक यह अनशन अनवरत जारी रहेगा।

युवक ने गटका जहरीला पदार्थ

डायल 100 जवानों ने पहुंचाया अस्पताल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर। सुनेरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनेरा थाना क्षेत्र में रविवार को एक युवक ने जहरीला पदार्थ गटक लिया जिस पर अस्पताल ले जाने के लिए पुलिस सहायता हेतु राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल 100 भोपाल को सूचना दी गई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल सुनेरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल 100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे डायल 112/100 स्टॉफ प्रधान आरक्षक ओमवीर, पायलेट डालचंद्र राठौर ने पीड़ित युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल शाजापुर पहुंचाया। डायल 100 जवानों की तत्परता से पीड़ित युवक को समय पर उपचार मिल सका।

कटनी जीआरपी पुलिस ने एक दर्जन आरोपियों को किया अरेस्ट

4 लाख 31 हज़ार रुपए का मसरूका जब्त

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी के रेल्वे एन. के. जे रेल्वे क्वाटरों और ट्रेनों में लगातार हो रही चोरी के मामले में कटनी जीआरपी थाना की पुलिस ने खुलासा करते हुए एक दर्जन आरोपियों को अरेस्ट कर उनके पास से 4 लाख 31 हज़ार रुपए का मसरूका जब्त किया है।

जीआरपी थाना प्रभारी एल पी कश्यप ने बताया की रेल और रेलवे कॉलोनियों में लगातार चोरी की घटनायें काफी समय से हो रही थी। रेल कर्मचारी अपने आपको असूरक्षित महसूस कर रहे थे। पुलिस के लिये चॅलेंज बना हुआ था । बदमाश को पकडने के लिये पुलिस अधीक्षक रेल सूश्री शिमाला प्रसाद के निर्देशन में एंव लोकेश मार्को उप पुलिस अधीक्षक (रेल) के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई थी गछित टीम के द्वारा लगातार प्रयास किया गया । अंतत: सातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया गया हैं। गिरफ्तार आरोपी सूरज उर्फ भूरा पिता महेश सकेतल उम्र 26 वर्ष निवासी उडिया मोहल्ला एन. के. जे. कटनी के कब्जे से क्वाटरों से चोरी किया मसरूका दो एल. सीडी टीवी, दो ग्राईडर मिक्चर मशीन, दो फैन, पीतल की थाली , सोने चाँदी की जेवर, बैंग आदि कुल कीमती 4 लाख रूपये करीब का सामान बरामद किया गया हैं । सभी चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर सभी को न्यायलय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

रामानंदी नवनिर्माण सेना के संभाग संरक्षक बने वैष्णव

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर। रामानंदी नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय और मध्यप्रदेश कार्यकारणी की सहमति से शाजापुर के ईश्वरदास वैष्णव को उज्जैन संभाग संरक्षक नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति पर रामानंदी नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय संरक्षक अनिल देवमुरारी, रामानंदी नवनिर्माण सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष निखिल निमावत, मध्यप्रदेश संरक्षक नीरज वैष्णव, बंटी बैरागी, प्रदेश अध्यक्ष राहुल वैष्णव प्रीतमनगर, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ रोहित बैरागी, प्रदेश प्रभारी मुकेश बैरागी रावटी सहित समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

देवी मंदिरों में उमड़ रही आस्था की भीड़

महिलाएं गरबों से कर रहीं मां भवानी की आराधना

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, शारदीय नवरात्रि पर्व पर मां आदिशक्ति की आराधना और दर्शन के लिए अलसुबह से लेकर देररात तक भक्तों का तांता शहर के देवी मंदिरों में लग रहा है। साथ ही रात के समय युवती और महिलाओं द्वारा गरबा कर मां की पूजा-अर्चना की जा रही है। उल्लेखनीय है कि शहर में जगह-जगह पर मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाएं विराजित की गई हैं और इन पंडालों में सुबह से लेकर शाम तक मां के जयकारे गूंजायमान हो रहे हैं। इसीके साथ शहर के विभिन्न मंदिरों में रात के समय मां भवानी को प्रसन्न करने के लिए गरबा किया जा रहा है। साथ ही उपवास कर मन्नत के चलते कई भक्त नौ दिनों तक नंगे पैर रहने का संकल्प भी ले चुके हैं। वहीं नवरात्रि पर्व को लेकर विभिन्न

सामाजिक संस्थाओं के द्वारा चुनरी यात्रा भी निकाली जा रही है। इसी क्रम में रविवार को आदर्श नवीन नगर स्थित बिजासन माता मंदिर से चुनरी यात्रा निकाली गई। यात्रा में जहां महिलाएं 300 फीट लंबी चूनर थामे हुए चल रही थीं तो युवतियों गरबा कर रहीं थी। प्रमुख मार्गों से होते हुए चुनरी यात्रा मां राजराजेश्वरी मंदिर पहुंची जहां पूजा-अर्चना कर मां को चुनरी औढ़ाई गई।

पंडालों में गरबा की धूम शारदीय नवरात्रि को लेकर महिलाएं और युवतियां प्रतिदिन अंबे भवानी की गरबा कर आराधना कर रही हैं। इसी तारतम्य में महिला मंडल, हाट मैदान सहित शहर के पंडालों में रात के समय सामूहिक गरबे का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही माता मंदिरों में भी मां का विशेष श्रंगार कर पूजा-अर्चना की जा रही है और यह सिलसिला पूरे नौ दिनों तक जारी रहेगा। पंडालों में विराजित देवी प्रतिमाओं की महाआरती कर मंगलकामनाएं श्रद्धालुओं द्वारा की जा रही है।

मनचलों पर रहेगी शक्ति की नजर पुलिस मुख्यालय द्वारा नवरात्रि पर्व पर महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से सभी जिलों में विशेष व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके तारतम्य में शाजापुर पुलिस द्वारा जिले के सभी क्षेत्रों में विशेष व्यवस्था हेतु पूजा स्थलों एवं गरबा स्थलों के आसपास दो पहिया वाहनों से महिला पुलिस का शक्ति बल कुल 32 पेट्रोलिंग पार्टियों को तैयार किया गया है, जो कि अपने क्षेत्र में निरंतर पेट्रोलिंग करेंगी तथा गरबा स्थलों, पूजा स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। साथ ही वहां घूमने वाले मनचलों पर नजर रखेगी। छेड़छाड़ की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

अनूपपुर जिले में बैगा जनजातियों की हकीकत और सरकार के दावे

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनुपपुर, अनुपपुर जिले के जैतहरी जनपद में लपटा ग्राम पंचायत में निवासरत बैगा परिवार मुन्ना पिता नानशाय बैगा सहित 10 बैगा परिवार जरेली टोला, लपटा पंचायत जनपद जैतहरी के जंगल विभाग के भूमि क्रंन 314 वीट उमरिया मे माकान बाड़ी बनाकर जीवन यापन कर रहे हैं भारत सरकार द्वारा वनाधिकार कानून के तहत वर्ष 2013 तक जो भी आदिवासी वन भूमि पर कब्जा किए हैं उन्हें वनाधिकार पत्र जारी करने का कानून बनाया है।

वर्तमान सरकार सभी बैगा जनजातियों को पक्का आवास सहित बिजली,पानी, शिक्षा, स्वास्थ, संचार जैसे सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित है। लपटा पंचायत के ए सभी बैगा परिवार पुस्तैनी रुप से वन भूमि पर काबिज हैं जिसके बाद भी आज तक इन्हे वनाधिकार पत्र, बैगा आवास, बैगा होने का जाति प्रमाण पत्र क्यों नहीं मिला जवकी इनके द्वारा लगातार पंचायत से लेकर जिलाधीश महोदय तक आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिन पर कोई भी कार्यवाही नहीं हो रहा। इन बैगा परिवारों को सरकार के योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा ज़िम्मेदार कौन। मुन्ना बैगा की समस्या का समाधान आखिर कब होगा। क्या बैगा जाति की योजनाएं सिर्फ कागज तक सीमित है या इन योजनाओं का लाभ बैगा परिवार को मिलेगा या योजनाएं भी सिर्फ भ्रष्टाचार की भेट चढ़ कर रह जाएंगी।

राधा पेट्रोल पंप पर कम दिया जा रहा पेट्रोल

कर्मचारियों के साथ मशीन की विश्वसनीयता पर भी सवाल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, यदि आप शाजापुर के राधा पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने जा रहे हैं तो जरा सावधान हो जाईए, क्योंकि हो सकता है कि आपसे पूरा रुपये लेने के बाद भी कम पेट्रोल दिया जाए। दरअसल महंगे पेट्रोल ने पहले ही लोगों की जेब पर भार बढ़ाया हुआ है और रही-सही कसर पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कर्मचारी पूरी कर रहे हैं, जो पेट्रोल देते समय गड़बड़ी कर ग्राहक को कम पेट्रोल देकर चूना लगा रहे हैं। शाजापुर शहर के जनपद पंचायत कार्यालय से कुछ दूरी पर स्थित राधा पेट्रोल पंप के कर्मचारी गड़बड़ी कर ग्राहकों के साथ हर दिन ठगी कर हजारों रुपये की धोखाधड़ी कर रहे हैं। वहीं आपत्ति जताने पर ग्राहक के साथ विवाद पर उतारू हो रहे हैं। यही वजह है कि शनिवार को भी राधा पेट्रोल पंप पर कर्मचारी की मनमानी और मशीन की गड़बड़ी सामने आई, जब एक ग्राहक ने 458 रुपये का पेट्रोल लिया और मशीन के नोजल पाईप से 451 रुपये का पेट्रोल पूरा होने के बाद पेट्रोल निकलना बंद हो गया। इस पर बाइक सवार ने आपत्ति जताई तो कर्मचारी ने दोबारा बकाया पेट्रोल भरने का काम किया।

कर्मचारी दिखा रहे हाथ की सफाई उल्लेखनीय है कि राधा पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कर्मचारी पेट्रोल लेने आ रहे ग्राहकों के साथ हाथ की सफाई दिखाते हुए कम पेट्रोल दे रहे हैं। वहीं पंप पर लगी मशीनों की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि मशीन में जितने रुपये का पेट्रोल सेट किया जा रहा है, मशीन उससे पहले ही पेट्रोल देना बंद कर रही है। ऐसे में प्रतिदिन सैकड़ों ग्राहकों को पूरा रुपया चुकाने पर भी कम पेट्रोल मिल रहा है। जबकि पेट्रोल पंप के कर्मचारी शेष राशि से अपनी जेब गरम कर रहे हैं। राधा पेट्रोल पंप पर चल रही इस अनियमित्ता की ग्राहक ने हेल्पलाइन नंबर 1915 पर भी शिकायत दर्ज कराई है। वहीं ग्राहक का कहना है कि यदि शिकायत के बाद पंप पर कार्र्वाई नही की गई तो वह उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराएगा।

इनका कहना है

पेट्रोल पंप पर मशीन से पेट्रोल कम आने के मामले में नापतौल विभाग से जांच कराएंगे। यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी मिली तो नियमानुसार कार्र्वाई करेंगे।

-देवेंद्र शर्मा, प्रभारी खाद्य आपूर्ति विभाग शाजापुर।

वायरल वीडियो की जांच पर से कोतवाली पुलिस द्वारा मारपीट करने वाले आरोपियो के विरूद्ध किया अपराध दर्ज

रविवार को सोशल मीडिया पर ग्राम पसला में मोहम्मद अनवर एवं मो. इस्ताक उर्फ कतन्नी दोनो निवासी वार्ड न. 15 लहसुई थाना कोतमा जिला अनूपपुर के साथ मारपीट का वायरल वीडियो पुलिस को प्राप्त होने पर, कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लिया जाकर वायरल वीडियो की जांच की जाकर प्रार्थी मोहम्मद अनवर पिता मोहम्मद आशिक उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड न. 15 लहसुई थाना कोतमा जिला अनूपपुर की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अजय यादव, रवि चौहान, अमित भदौरिया, रघुवर पटेल, अवधेश, गुडलक, मनीष भदौरिया एवं अन्य के विरूद्ध अपराध क्रमांक 442/24 धारा 296,115(2),351(3), 3(5) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम बनाई जाकर कार्रवाई की जा रही है।

सासंद महोदय हिमाद्री सिंह से सौजन्य मुलाकात, कई महत्व पूर्ण विषय पर हुई चर्चा

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनुपपुर, आज दिनांक 06/10/2024 को शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद माननीय हिमाद्री सिंह महोदया से उनके निज निवास राजेंद्रग्राम में सौजन्य मुलाकात हुई जिसमे कुछ महत्व पूर्ण विषय पर चर्चा हुई जैसे सांसद महोदया का ध्यान हिंदुस्तान पावर प्लांट जैतहरी के राखड परिवहन का उचित प्रबंधन न होना राखड से फैल रहे प्रदूषण से ग्रस्त अनुपपुर जैतहरी कोतमा की जनता की परेशानी से अवगत कराया,जिस पर सांसद महोदया द्वारा इस परेशानी पर संज्ञान लेने का आश्वासन दिया गया इसके साथ ही त्योहार पर तीसरी एवं चौथी रेल लाइन के कार्य के कारण अवरुद्ध ट्रैन के विषय पर भी चर्चा हुई जिस पर महोदया द्वारा तत्काल डी आर एम रेलवे बिलासपुर को कॉल करते हुए काम जल्द से जल्द पूरा कर नियमित ट्रेनों के संचालन हेतु आदेशित किया जिस पर डी आर एम ने जानकारी देते हुए बताया की जो ट्रेनें 13 तक रद्द थी वह आपके आदेश अनुसार जल्द से जल्द लगभग 8 तारीख तक सुचारू रूप से चालू कर दी जायेंगी , हम सब की तरफ से सांसद महोदया का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद जो उन्होंने इन समस्याओं पर तत्काल संज्ञान लिया।

पुलिया के नाले पर किया बोरी बंधान

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम पिपलोदा और हिरपुर टेका में रविवार को बोरी बंधान किया गया जिसमें नवांकुर संस्था कंचन वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसायटी शाजापुर, दीप मानस ज्योति संस्था के द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों के साथ समिति सदस्यों ने 200 बोरी का बंधान ग्राम के बाहर स्थित पुलिया के नाले पर किया गया, जिसमें भारी संख्या में लोग एकत्र हुए 2 घंटे

तक श्रमदान किया। साथ ही हिरपुर टेका में 80 बोरी का बंधान किया। साथ ही ग्रामीणों को जल संरक्षण के विषय पर जानकारी दी। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विष्णुप्रसाद नागर, जनपद सीईओ राजकुमार हलदर, भाजपा विधायक प्रतिनिधि सतीश पाटीदार, अमृतलाल सोलीया, ललित कुमार, महेशकुमार, रूपेश सोलिया, प्रदीप, नवीन वर्मा, घनश्याम नागर सहित ग्रामीण मौजूद थे।

चलती कार में अचानक लगी आग

कार से धुंआ उठते देख उसमें सवार लोगों ने कूदकर बचाई जान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

बेहट । सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के बेहट कोतवाली क्षेत्र के गांव जैतपुर कलां के पास बरसाती नदी में चलती कार में अचानक आग लग गई। कार से धुंआ उठते देख उसमें सवार लोगों ने कूदकर जान बचाई। गांव के पास नदी से आग की लपटे व धुएं का गुबार उठता देखकर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर पहुंची। कुछ देर में कार पूरी तरह जल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित निकल गए थे। उनके बारे में पता लगाया जा रहा है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 23 फरियादियों ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों के सामने रखी अपनी शिकायतें

मात्र दो शिकायतों का ही मौके पर हो सका निस्तारण

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
सहारनपुर। देवबंद, देवबंद में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 23 फरियादियों ने मौके पर पहुंच अधिकारियों के सामने अपनी शिकायतें रखी। हालांकि इस दौरान दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। जबकि शेष शिकायतों को गुणवत्ता के आधार पर एक सप्ताह में निस्तारण करने को अधिकारियों ने निर्देशित किया। देवबंद नगर के खंड विकास कार्यालय सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस एडीएमएफ रजनीश दुबे के नेतृत्व में आयोजित किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंची देवबंद ब्लॉक के स्कूलों में मिड-डे-मिल बनाने वाली रसोईयों ने पांच माह से मानदेय न मिलने की शिकायत की। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आठ अक्टूबर तक उन्हें उनका मानदेय नहीं दिया गया तो उन्हें मजबूरन सडक पर उतर आंदोलन करने को मजबूर होंगी। संपूर्ण समाधान दिवस में खंड विकास कार्यालय, बिजली विभाग, तहसील, चकबंदी और पुलिस समेत अन्य विभागों की 23 शिकायतें पहुंची। जिनका दो का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। एडीएमएफ रजनीश दूबे ने अधिनस्तो को निर्देशित करते हुए कहा कि गुणवत्ता के आधार पर अगले एक सप्ताह में सभी शिकायतों का निस्तारण करा दिया जाए। इस दौरान एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा, सीओ देवबंद रविकांत पराशर, तहसीलदार पुष्पांकर देव, ईओ डा. धीरेंद्र राय समेत अन्य तहसील स्तरीय कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया राज्य स्तरीय सब जूनियर कबड्डी बालक प्रतियोगिता का शुभारम्भ

प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने की खिलाडियों को दी शुभकामनाएं

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा खेल निदेशालय एवं उ0प्र0 कबडडी एसोसिएशन के समन्वय से डा0 भीमराव अवम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम सहारनपुर में 05 से 07 अक्टूबर, 2024 तक प्रदेश स्तरीय सब जूनियर कबड्डी बालक प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। मैच प्रारम्भ होने से पहले उन्होंने टीम के सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, मेरठ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, बरेली, आजमगढ, गोरखपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, मिर्जापुर, बस्ती, चित्रकूट(बांदा), अलीगढ, देवीपाटन (गोंण्डा), सहारनपुर मण्डलों तथा स्पोर्टस कालेज सैफई व आवासीय छात्रावास अमेठी सहित कुल 20 टीमें प्रतिभाग कर रही है। प्रतियोगिता का पहला मैच प्रयागराज व मेरठ मण्डल के बीच खेला गया, जिसमें 41-41 से दोनो बराबर रही। दूसरा मैच बस्ती व देवीपाटन मण्डल के बीच खेला गया, जिसमें बस्ती 29-15 से विजेता रही।
इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, महासचिव उ0प्र0 कबड्डी एसोसिएशन राजेश सिंह, ईश्वर पाल सिंह मुखिया, अश्वनी कुमार त्यागी, क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी अनिमेष सक्सेना, श्रीमती अरूणा, जिलाध्यक्ष कबडडी संघ इशान्त चौधरी सहारनपुर, सचिव जिला कबडडी संघ निशान्त कुमार सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

धमतरी में रविशंकर जलाशय (गंगरेल बांध) के किनारे आयोजित हुआ जल जगार

जल जगार में जल संचय और जल संरक्षण के लिए किया गया मंथन

राजीव खरे | सिटी चीफ
(छत्तीसगढ़) धमतरी, धमतरी में रविशंकर जलाशय (गंगरेल बांध) के किनारे आयोजित जल जगार में देश-विदेश के नीति निर्माता, पर्यावरणविद, विशेषज्ञ और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि जल संचय और जल संरक्षण पर संवाद कर रहे हैं। वे यहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन में जल संचय और जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों के सफल कार्यों की कहानी साझा कर रहे हैं। वे इनके प्रभावी उपायों पर गहनता से विचार-विमर्श करने के साथ ही धरातल पर उतारने की कार्ययोजना भी तय कर रहे हैं।
जल जगार में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बीच आज अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन के पहले दिन केन्द्रीय कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय की अपर सचिव श्रीमती अर्चना वर्मा, पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध पर्यावरणविद सर्वश्री पोपटलाल पवार, श्यामसुंदर

पालीवाल और उमाशंकर पाण्डेय तथा अर्थशास्त्री एवं शहरी विकास विशेषज्ञ प्रो. अमिताभ कुंडु ने सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने जल जगार के उद्देश्यों और धमतरी जिले में जल संचय व जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।
अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय कृषि तथा किसान कल्याण की अपर सचिव डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी ने कहा कि धमतरी में जल संरक्षण की पहल पुरानी है। यहां की %ओजस्वी% एफपीओ (कृषक उत्पाद संगठन) ने कम पानी में होने वाले धान की खेती प्रारंभ की थी। उन्होंने बताया कि धान की ऐसी बहुत सी प्रजाति है जो कम पानी में होती है और जल्दी पकती है। उन्होंने इस तरह की और भी प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने नए बीजों और अन्य फसलों की खेती पर भी ध्यान देने को कहा।
केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय की अपर सचिव श्रीमती अर्चना वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन में कहा कि हमारे पूर्वजों के पास जल संचय और जल संरक्षण के बहुत से तरीके थे। वे पानी की एक-एक बूंद का सम्मान करते थे। हमारी जलशक्ति अभियान का भी मूल उद्देश्य पानी की धरोहरों के प्रति सम्मान को वापस लाना है। जल संचय और जल संरक्षण के काम में जन भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने जल जगार के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह जल संरक्षण से लोगों को जोड़ने की बहुत अच्छी पहल है। इससे संस्कृति, समुदाय और युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है।
पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध पर्यावरणविदों और जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सर्वश्री पोपटलाल पवार, श्यामसुंदर पालीवाल और उमाशंकर पाण्डेय ने सम्मेलन में जल संचय और जल संरक्षण की सफल कहानियां साझा की। श्री पवार ने कहा कि जलस्रोतों में कम से कम 20 प्रतिशत पानी रिचार्ज के लिए छोड़ना चाहिए। इसका 80 प्रतिशत ही उपयोग किया जाना चाहिए। हमारे हिमालय को बचाने के लिए पश्चिमी घाट का संरक्षण जरूरी है।
सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद श्री श्यामसुंदर पालीवाल ने बताया कि उन्होंने अपने क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए बेटी, पानी और पेड़ों को जोड़कर काम किया। इसे रोजगार से भी जोड़ा। पर्यावरणविद श्री उमाशंकर पाण्डेय ने कहा कि पानी सरकार का विषय नहीं है। यह समाज का विषय है। पानी के बारे में स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ाया जाना चाहिए। हम पानी बना नहीं सकते, लेकिन पानी को बचा सकते हैं। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं शहरी विकास विशेषज्ञ प्रो. अमिताभ कुंडु ने सम्मेलन में कहा कि जल की चिंता को लेकर जिला स्तर पर इस तरह का वृहद आयोजन पहली बार देख रहा हूं। यहां नीति निर्धारक, पर्यावरणविद, जल संरक्षक, विशेषज्ञ और नागरिक पानी के बारे में चर्चा कर रहे हैं। उसे बचाने की रणनीति बना रहे हैं। यह बहुत ही उपयोगी पहल है।

अति संवेदनशील क्षेत्र कोडोली और कस्तूरमेटा बना शत प्रतिशत हर घर जल ग्राम

प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के पंचगण, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समेत अन्य लोग शामिल रहे

राजीव खरे | सिटी चीफ
(छत्तीसगढ़) नारायणपुर, जिले के कार्यपालन अभियंता एवं सदस्य सचिव जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एस. के. वर्मा के मार्गदर्शन में ओरछा विकासखण्ड के ग्राम कोडोली एवं कस्तूरमेटा में हर घर जल उत्सव मनाया गया। ग्राम सभा में ग्राम पंचायत सरपंच पिंकी शोरी एवं ग्राम के जनप्रतिनिधि, उपसरपंच, वार्ड पंच, ग्रामीण महिलाएं एव विभागीय अधिकारी की उपस्थिति में प्रमाणपत्र प्रदाय कर पूर्ण किया गया। जल जीवन मिशन योजना के तहत गांव के सभी घरों मे शुद्ध पेयजल अपूर्ति होने से ग्रामीणों द्वारा उत्साहपूर्वक जल उत्सव मनाते हुए योजना का स्वागत किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित जिला परियोजना समन्वयक द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर नल, हर घर जल के संचालन, संधारण, प्रबंधन एवं सतत् क्रियाशील बनाए रखने की जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए आगे भी योजनाओं को सुचारू रूप से चलाने को कहा साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, जल बहिनी, पंप आपरेटर, प्लंबर, हेल्पर एवं समस्त ग्राम वासियों को अपने दायित्वों का निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया। योजना को निरंतर समयानुसार क्रियान्वित करने हेतु जल गुणवत्ता परीक्षण की संपूर्ण जानकारी देकर ग्राम के जल स्रोत का जल नमूना लेकर जल गुणवत्ता परीक्षण के विभिन्न पैरामीटर पर परीक्षण करना बताया गया।
अशुद्ध जल से होने वाले हानिकारक प्रभाव एवं बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर जिला समन्वयक एवं अन्य गणमान्य नागरिक, विभाग के कर्मचारी, सीडी. एटी भोगदत्त वर्मा, कल्याण सिंह मनहर, आई. एस. ए. समन्वयक चद्रकांत देवदास, आई.ई.सी. समन्वयक सुनील उसेण्डी एवं महालक्ष्मी कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार उपस्थित थे।

सगुर भगुर के पवित्र कुंड मे स्नान करने से दूर होते है सब कष्ट

म्हारो निमाड़ आज निमाड क्षेत्र के अति प्राचीन सगुर भगुर माता के दर्शन करें आपको ले जाते है जो जिला मुख्यालय खरगोन से 24 किलोमीटर दूर पूर्व में खरगोन - खण्डवा मार्ग से होते हुए सगुर गांव में अति प्राचीन मंदिर है ।मंदिर के पास ही प्राचीन कुंड भी मौजूद हैं। ऐसी मान्यता है कि जिसमें स्नान करने से अस्वस्थ व्यक्ति भी स्वस्थ होते हैं। ऐसी किवदंती है कि अर्जुन के पौत्र औ ‛अभिमन्यु के पुत्र राजा परीक्षित कि तक्षकनाग से रक्षा करने के लिए वैद्य भगवान धन्वंतरि जी ने अपनी दो शिष्याओं सगुर और भगुर के हाथ अमतृ - औषधि लेकर राजा परीक्षित के पास भेजा किन्तु मार्ग में तक्षकनाग के छलावे में आकर अमतृ - औषधि इसी स्थान पर कुन्ड में डाल दी इस लिये आज भी अच्छे स्वास्थ्य कि कामना को लेकर इस कुन्ड में स्नान करने के लिए श्रद्धालु बडी़ दूर दूर से आते हैं। बताते है कि माता जी के दर्शन मात्र से ही उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। सगुर से 12 किलोमीटर दूर दशनावल गांव में लगभग पांच हजार वर्ष पुराना तक्षकनाग मंदिर है और भगवान धन्वंतरि जी के मंदिर के अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं वही इसी कुंड मे पिछले वर्ष भी व इस वर्ष भी ग्रामीणों के अनुसार युवती ने कुंड मे स्नान करते समय लड़की ने तलवार से अपनी जुबान काट ली थी जिससे पुरा पानी लाल हो गया था जिसका विडिओ सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ था जब लोगो ने उस लड़की का पता लगाया तो लड़की सुरवा गाव की निकली व दूसरे दिन उसकी जबान सही सलामत थी बस इसी वजह से लोग अन्य बीमारी व स्वास्थ व्यक्ति भी माता के इस कुंड मे स्नान के लिए आते है जो निरंतर हमेशा चलते रहता है ।समय निकाल कर, इस नवरात्रि पर्व पर अपने परिवार के साथ दर्शन जरूर करने जाए।

अचानक आग लगने से छ मकान जल कर खाक हो गया जिसमें लाखों रुपया का नगदी, आभुषणों एवं मवेशी और अनाज, कपड़े जल कर खाक हो गया

खरडुबडी-जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर रामा विकासखंड के गांव खरडू बड़ी के ताराघाटी के सरपंच फलिया में बीती रात यानी रविवार रात को करीब 11ः00 बजे अचानक छह परिवारों के आशियाना में आग लग जाने से घर में सो रहे व्यक्ति अनंत अपनी जैसे तैसे जान बचा ले लेकिन घर के अंदर बंधे हुए बेजुबान पशुओं की मौत हो चुकी है इसी के साथ घर में रखें चांदी के आभूषण नंगड़ी, अनाज गैहु मक्का,कपास और बच्चों के स्कूल के डाक्यूमेंट्स पहनने के कपड़े सब कुछ जलकर खाक हो चुका है यह घटना रविवार रात को करीब 11ः00 बजे की है जब अचानक मकान में आग लग गई थी जैसे आग लगी फलिया के आसपास के लोगों ने हल्ला किया और घर में सो रहे सभी लोगों को घर से बाहर निकाला और जैसे तैसे करके फलिया वासी ने नदी से मोटर से पानी लाकर आंख पर काबू पाना चाहा लेकिन आग इतनी तेज थी कि वह पानी से आग नहीं बुझा पा रही थी तो गांव के कोटवार ने फायर ब्रिगेड को फोन किया लेकिन फायर ब्रिगेड भी लेट 12ः30 बजे तक पहुंची और फायर ब्रिगेड में भी दो से तीन घंटे लगातार आग को काबू पाने में जादोजिहाद की कोशिश करी जैसे तैसे आग पर काबू पाया गया इसके बाद जिन लोगों के आशियाने है जिसमें विनोद पिता धुलिया डामोर ,कमल पिता धूलिया डामोर, धन्ना धूलिया डामोर, प्रेम सिंह पिता धूलिया

डामोर और सुरेश पिता पारसिंह डामोर के आशियाना में आग लगी थी आग पर काबू पाने के बाद जब उन्होंने सुबह देखा तो सब कुछ बर्तन के साथ खाने पीने का सामान भी जलकर खाक हो चुका इनका कहना है कि करीब लाखों रुपए का नुकसान इस अग्निकांड में हमारा हो चुका है हमें ना तो अभी तक प्रधानमंत्री आवास मिला है और ना ही कोई ऐसी सुविधा इन लोगों के शासन प्रशासन और जन प्रतिनिधि से मांग है कि यहां की जो विधायक है वह बाल विकास मंत्री कैबिनेट में है और यहां के सांसद महोदय से भी उनकी मांग है कि उनकी जो भी सहायता हो सके वह करें और शासन प्रशासन से भी मांग है कि इन्हें प्रधानमंत्री आवास दिया जाए ताकि पुनःअपना आशियाना बना पाए और अभी इनके पास रहने का खाने-पीने का कुछ भी नहीं है इस अग्निकांड में करीब 12 बेजुबान पशु जलकर खाक हो चुके हैं उनकी जो खाने पीने का सामान था अनाज मक्का गेहूं करीब 50 कुंतल और इसी घर में करीब 20 कुंतल के आसपास पिछले साल का कपास था यह सारी चीज और पहनने के कपड़े भी और बच्चों के 12वीं के कॉलेज के डॉक्यूमेंट सहित सब कुछ जलकर खाक हो चुका है। रात्रि में मौके पर रामा के तहसीलदार मौके पर पहुंचे और सोमवार सुबह राजस्व विभाग के हल्का पटवारी रेखा बिलवाल द्वारा मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया गया।

करीब दो से तीन घंटे बाद फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू फायर ब्रिगेड जब यहां पर पहुंची तो अधिकांश आंग तो फलियावासियों ने मिलकर जैसे तैसे करके काबू पा लिया था जिसके बाद जब फायर ब्रिगेड पहुंचे तो आग जब भी इतनी तेज थी कि दो फायर ब्रिगेड आई थी फिर भी 2 घंटे तक आंग पर काबू नहीं पाया गया दोनों फायर ब्रिगेड घंटे भर में पानी खत्म हो चुका था फायर ब्रिगेड में पानी खींचने की मोटर नहीं होने के कारण लोगों के निजी बोरिंग पर जाकर उनमें पानी भरा गया जिसके बाद पुनः उसी जगह पर लाया गया और फिर आंग पर काबू पाया गया।नगर पालिका को भी फायर ब्रिगेड में एक फाइटर या मोटर लगवानी चाहिए ताकि जब ऐसी कंडीशन होती है तो ज्यादा आग लगती हो और पानी खत्म हो जाए तो उसे गांव में नदी या कुएं से आसानी से पानी फायर ब्रिगेड खींच ले और पुणे पानी भर सके ताकि समय कम लगेगा मोटर नहीं होने के कारण निजी बोरिंग पर जाकर पानी भरना पड़ता है अगर बोरिंग नहीं होता है तो फिर फायर ब्रिगेड आग कैसे बुझाएगा अगर पानी नहीं होगा तो इसीलिए नगर पालिका को भी अपनी सभी फायर ब्रिगेड गाडी में एक मोटर या फाइटर लगाना चाहिए ताकि पानी खत्म होने के बाद जहां भी आग लगी है उसके आसपास कुआं हो या नदी हो वहां से पानी जल्द से जल्द भर पाए।

हमास अटैक की बरसी से पहले इजरायल पर आतंकी हमला, संदिग्ध मौके पर ही ढेर

हमलावर ने मासूमों पर बरसाई गोलियां

बेरूत। 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास हमले की पहली बरसी है। इससे एक दिन पहले साउथ इजरायल पर आतंकी हमला हुआ है। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं ने मामले में बताया कि रविवार को दक्षिणी इजरायल में हुए आतंकी हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। हमलावर ने मासूमों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई। पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए संदिग्ध आतंकी को मौके पर ही ढेर कर दिया है। इजराइल और हमास के टकराव के साथ शुरू हुआ पश्चिमी एशिया का टकराव लगातार जारी है। इजराइल अब कई मोर्चों पर लड़ाई लड़ रहा है। पहले हूती विद्रोहियों की मार और अब हिजबुल्ला के लड़ाकों के साथ हिंसक संघर्ष। ईरान भी इस संघर्ष में शामिल हो चुका है। 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले के साथ शुरू हुई लड़ाई अब लेबनान, ईरान और पश्चिम एशिया के कई इलाकों तक फैल चुकी है। दक्षिण इजरायल के आपातकालीन सेवा विभाग के प्रमुख मैगन डेविड एडोम ने एक बयान में कहा, संदिग्ध आतंकी हमले में 25 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई है। वहीं, घायलों की संख्या कम से कम 10 है। उनकी हालत गंभीर है। सभी को अस्पताल भर्ती किया गया है। पुलिस ने कहा कि यह घटना आतंकवादी हमलाह्व माना जा रहा है। इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि अगर ईरान ने इजराइल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो उसकी हालत गाजा या बेरूत जैसी हो सकती है। अलजजीरा के मुताबिक गैलेंट ने एक बयान में कहा कि ईरानियों ने वायु सेना की क्षमताओं को प्रभावित नहीं किया। इजराइल का कोई भी विमान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। जो कोई भी सोचता है कि हमें नुकसान पहुंचाने का मात्र प्रयास हमें कार्रवाई करने से रोक देगा, उसे गाजा और बेरूत पर एक नजर डालनी चाहिए। गैलेंट ने कहा कि हम रक्षा और आक्रमण दोनों में मजबूत हैं और हम इसे सफल बनाएंगे। उधर, इजराइली हमले में मध्य सीरिया में तीन कारों में विस्फोट हुआ। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक सीरिया के औद्योगिक शहर होम्स में तीन वाहनों को निशाना बनाया गया। इसमें चिकित्सा और राहत सामग्री ले जा रही गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान के 25 गांवों के लोगों को तुरंत गांव खाली करने का आदेश दिया है। अलजजीरा के मुताबिक सेना के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचार्य अद्राई ने कहा कि लोग गांव खाली कर दें, अन्यथा वे अपनी जान जोखिम में डालेंगे। उन्होंने लेबनान के निवासियों से अवली नदी के उत्तर की ओर जाने के लिए कहा है।

इजराइली सेना को आशंका है कि 7 अक्टूबर को हमास के हमले की वर्षगांठ के मौके पर उस पर हमला हो सकता है। ऐसे में इजराइली सेना ने संभावित हमले की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए हवाई सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है।

साबूदाना में कम होता है प्रोटीन, फाइबर और वसा, काबोर्हाइड्रेट और कैलोरी बहुत अधिक होने से तेजी से बढ़ता है वजन

साबूदाना खाना दिल के रोगियों के लिए बड़ा खतरा!

नई दिल्ली। व्रत के दौरान कुट्ट का आटा खाने से कई लोगों को बीमार होने की खबर तो आपने बहुत बार सुनी होगी, लेकिन कम ही लोगों को इस बात की जानकारी होगी कि व्रत के दौरान साबूदाना खाना भी आपके लिए खतरनाक हो सकता है। इससे न केवल आपका शुगर लेवल बढ़ सकता है, बल्कि इसके अधिक सेवन से वजन बढ़ने, थायराइड बढ़ने और पेट खराब होने की समस्या भी हो सकती है, इसलिए साबूदाना को कम मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए। दरअसल, साबूदाना में प्रोटीन, फाइबर और वसा बहुत कम होती है, जबकि इसमें काबोर्हाइड्रेट, कैल्सीयम और पोटैशियम अधिक होता है। काबोर्हाइड्रेट और कैलोरी बहुत अधिक होने के कारण साबूदाना खाने से देर तक आपको भूख नहीं लगती। लेकिन इससे आपका वजन तेजी से बढ़ता है। इसलिए वजन कम करने की इच्छा रखने वाले लोगों को साबूदाना नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा अधिक साबूदाना खाने से दिल, मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करता है जो कि साबूदाना में बहुत अधिक पाया जाता है। यही कारण है कि जिन लोगों का ब्लड प्रेशर कम रहता है, उन्हें पोटेशियम युक्त साबूदाने का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे उनके दिल को नुकसान पहुंच सकता है। थॉयराइड के रोगियों को भी साबूदाना नहीं खाना चाहिए।

नासा की खतरनाक चेतावनी, प्रभावित हो सकता है इलेक्ट्रॉनिक संचार, दूरसंचार और उपग्रहों पर पड़ेगा असर

पृथ्वी से टकराएगा बड़ा सौर तूफान

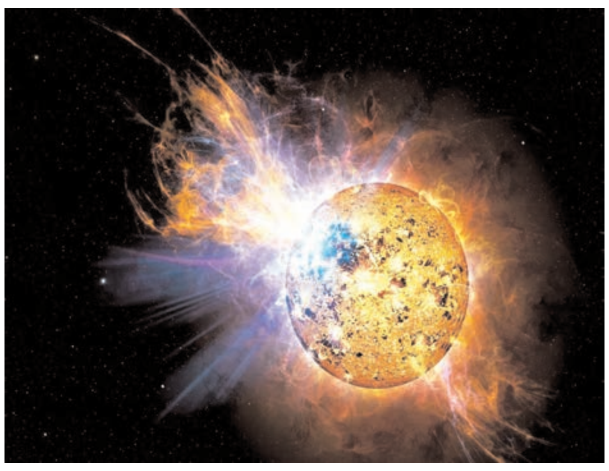

मेरक (लद्दाख)। धरती पर एक बड़ा सौर तूफान आने वाला है। दरअसल, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह बड़ा सौर तूफान पृथ्वी से टकराने वाला है। इससे इलेक्ट्रॉनिक संचार प्रभावित हो सकता है। आपको बता दें कि सौर तूफान, कणों, ऊर्जा, चुंबकीय क्षेत्रों और सामग्री का अचानक विस्फोट है जो सूर्य के कारण सौर मंडल में विस्फोट होता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आने वाला सौर तूफान दूरसंचार और उपग्रहों को बाधित कर सकता है। भारतीय वैज्ञानिक इस पर नजर बनाए हुए हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के विशेषज्ञों का कहना है कि उन्होंने भारतीय उपग्रह ऑपरेटरों को सभी एहतियात बरतने के लिए कहा है। अगले कुछ दिन पृथ्वी के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि तूफान नीले ग्रह की ओर बढ़ रहा है। दरअसल, सूर्य की सतह पर बड़े पैमाने के विस्फोट होते हैं, जिसके दौरान कुछ हिस्से बेहद चमकीले प्रकाश के साथ असीम ऊर्जा छोड़ते हैं, जिसे सन फ्लेयर कहा जाता है। सूर्य की सतह पर होने वाले इस विस्फोट से उसकी सतह से बड़ी मात्रा में चुंबकीय ऊर्जा निकलती है, जिससे सूरज के कोरोना या सूर्य की बाहरी सतह का कुछ हिस्सा खुल जाता है। इससे ऊर्जा बाहर की ओर निकलती है, जो आग की लपटों की तरह दिखाई देती है।

ये असीम ऊर्जा लगातार कई दिनों तक निकलती रहे तो इससे अति सूक्ष्म न्यूक्लियर पार्टिकल भी निकलते है। यह कण पूरी ऊर्जा के साथ ब्रह्मांड में फैल जाते हैं, जिसे सौर तूफान कहा जाता है। इस ऊर्जा में जबरदस्त न्यूक्लियर रेडिएशन होता है, जो इसे सबसे ज्यादा खतरनाक बनाता है। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की डायरेक्टर डॉ. सुब्रमण्यन ने कहा, ह्वकुछ दिन पहले सौर ज्वाला भड़की थी। वह मई में हुई घटना के बराबर ही शक्तिशाली है। इसलिए हम मैग्नेटोस्फीयर में किसी तरह के हस्तक्षेप की उम्मीद करेंगे।

फिलहाल इस तूफान को लेकर पड़ताल जारी है ह्व सौर तूफान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में एक बड़ी गड़बड़ी पैदा कर सकता है, जिसे भू-चुंबकीय तूफान कहा जाता है। रेडियो ब्लैकआउट, बिजली कटौती जैसे प्रभाव पैदा कर सकता है। हालांकि, वे पृथ्वी पर किसी को सीधे नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, क्योंकि ग्रह का चुंबकीय क्षेत्र और वातावरण हमें इन सबसे बुरे तूफानों से बचाते हैं।

दाहिने वाले में खराबी की तस्वीरें आई सामने

मंगल पर मौजूद नासा के क्यूरियोसिटी रोवर के पहिये में हुआ छेद

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ओर से मंगल ग्रह पर भेजे गए क्यूरियोसिटी रोवर के पहिये में पहली बार छेद हुआ है। लगभग 12 साल से लाल ग्रह पर मौजूद रोवर की तस्वीरें हाल ही में अंतरिक्ष एजेंसी ने जारी की है। तस्वीरों में रोवर के पहिये में कई बड़े छेद नजर आ रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि रोबोट को कहीं न कहीं बड़ी क्षति पहुंची है। नासा के मुताबिक, क्यूरियोसिटी के मार्स हैंड लेंस इमेजर (एमएएचएलआई) की ओर से ली गई तस्वीर में लंबे समय तक यात्रा के कारण रोवर के दाहिने पहिये में एक छेद हो गया है। साथ ही पहिये में खरोचों के साथ कई बड़े निशान दिखाई दे रहे हैं। इसमें एक बड़ा छेद भी हुआ है, इसके जरिये पहिये के अंदर तक का भाग दिखाई दे रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि छेद पहली बार कब बने थे। इसके अलावा किसी अन्य पहिये में इस तरह की क्षति का पता नहीं चला है। मिशन का संचालन करने वाले इंजीनियर एशले स्टूप ने एक बयान में कहा कि देखने में यह क्षति खराब लग रही है। लेकिन इसके बावजूद क्यूरियोसिटी अभी भी अच्छी स्थिति में है। ऐसा कोई संकेत नहीं है कि रोवर भविष्य में रुकने वाला है। इससे पहले 2022 में वैज्ञानिकों ने देखा था कि नासा के पर्सीवरेंस रोवर का पहिया अपने साथ एक चट्टान लेकर चल रहा था। क्यूरियोसिटी रोवर पहली बार 5 अगस्त 2012 को मंगल ग्रह पर पहुंचा था। शुरूआत में इसके केवल दो साल तक काम करने की उम्मीद थी। हालांकि, यह वैज्ञानिकों की उम्मीद से कहीं अधिक काम कर रहा है। यह अब तक क्योरोसिटी रोवर गेल क्रेटर के चारों ओर अब तक 32 किमी से ज्यादा की यात्रा कर चुका है। यह मूल रूप से यह इसी क्रेटर में उतरा था। इस दौरान वैज्ञानिकों ने विदेशी जीवों का संकेत खोजने और सूर्य के पिछले हिस्से को देखा। रोवर ने कई तरह की अनोखी चीजें भी खोजी हैं, इनमें एक किताब के आकार की चट्टान, एक खनिज फूल शामिल हैं।

मुंबई के चेंबूर इलाके में बड़ा हादसा, मरने वालों में तीन बच्चे शामिल

आग लगने से एक ही परिवार के सात लोग जिंदा जले

मुंबई। मुंबई के चेंबूर इलाके में स्थित एक दुकान में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई है। घटना आज सुबह पांच बजे की है। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना चेंबूर की सिद्धार्थ कॉलोनी की है। पहले हादसे में पांच लोगों की मौत की खबर सामने आई थी, अब सात लोगों के इस अग्निकांड में मारे जाने की खबर है। बाकी दो की पहचान की जा रही है। घटना चेंबूर पूर्व के एएन गायकवाड़ मार्ग पर सुबह 5 बजे के करीब घटी। बीएमसी ने बताया कि आग ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद दुकान में लगी थी और ऊपर मकान में परिवार रहता था। दुकान की आग ऊपर मकान तक पहुंच गई, जिसकी चपेट में पूरा परिवार आ गया। एक अधिकारी ने बताया कि इमारत के भूतल का इस्तेमाल दुकान के रूप में और ऊपरी मंजिल का इस्तेमाल आवास के रूप में किया जाता था। उन्होंने बताया कि आग भूतल पर स्थित दुकान में बिजली के तारों और अन्य उपकरणों में लगी और बाद में इसने ऊपरी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में परिवार के सदस्य झुलस गए। जिन्हें राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

शराब घोटाले में जनता के बीच अपने आपको सही साबित करने की कोशिश कर रहे केजरीवाल

मैं हलवाई, जनता की चीनी-तिल को रेवड़ी बनाकर बांट रहा

नई दिल्ली। हरियाणा चुनाव समाप्त होते ही अरविंद केजरीवाल दिल्ली की चुनावी तैयारी में जुट गए हैं। केजरीवाल ने अपनी कमजोरी को ही अपनी ताकत बनाने का निर्णय ले लिया है। भाजपा शराब घोटाले के सहारे केजरीवाल को जनता के बीच घेरने की योजना बना रही थी, लेकिन केजरीवाल उसी मुद्दे के सहारे जनता के बीच अपने आपको सही साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे जनता से कह रहे हैं कि वे चोर नहीं हैं। उन्होंने कोई चोरी नहीं की। वे तो हलवाई हैं, चीनी और तिल तो जनता का है, वे केवल उसे रेवड़ी बनाकर लोगों के बीच बांट रहे हैं। केजरीवाल इसके सहारे झुग्गी-झोपड़ियों के उसी मतदाता वर्ग पर निशाना साध रहे हैं जो उनकी सबसे बड़ी ताकत बना हुआ है। केजरीवाल पर इस बात के आरोप लगते रहे हैं कि वे मुफ्त की रेवड़ी बांटकर लोगों के वोट ले रहे हैं। लेकिन केजरीवाल ने इसे भी अपनी ताकत बनाने की कोशिश की। रविवार को छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित उनकी दूसरी जनता की अदालत में आए सभी लोगों को रेवड़ी के पैकेट बांटे गए। हर पैकेट में छ रेवड़ियां थीं। केजरीवाल ने मंच से कहा कि वे अब तक लोगों को छ रेवड़ी (मुफ्त बिजली, पानी, बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा, महिलाओं को मुफ्त सफर, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा) दे रहे थे। अब सातवीं रेवड़ी आने वाली है। यह रेवड़ी महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये नकद आर्थिक सहायता की होगी। आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि भाजपा और उनके सहयोगियों की इस समय देश के 22 राज्यों में सरकारें हैं, लेकिन किसी एक राज्य में भी वे लोगों को मुफ्त बिजली नहीं दे रहे हैं। यदि वे इन राज्यों में लोगों को मुफ्त बिजली दे दें तो वे स्वयं दिल्ली चुनाव में मोदी के लिए वोट मांगेंगे। इसके सहारे केजरीवाल गरीब मतदाताओं के बीच यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं, लेकिन वे लोगों को फ्री में सेवाएं दे रहे हैं, जबकि जो लोग आरोप लगा रहे हैं, वे अपने राज्यों में जनता को इस तरह की सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं। केजरीवाल ने रविवार को छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित ह्वजनता की अदालतह्व को संबोधित करते हुए बीजेपी पर हमला बोला और इस दौरान एलजी और बीजेपी की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठाए। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अगर बीजेपी आ गई, तो दिल्ली के लोगों की ये 6 रेवड़ी बंद हो जाएंगी। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। जनता चाहती है कि मुफ्त बिजली, अस्पतालों में फ्री में दवाईयां मिलनी चाहिए तो फिर एलजी कौन होता है उसे बंद करवाने वाला? दिल्ली से एलजी राज खत्म करवाकर रहेंगे। उन्होंने दिल्ली की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा और जम्मू में डबल-इंजन सरकार खत्त होने जा रही है और महाराष्ट्र और झारखंड में भी यही होगा। मैं पूछना चाहता हूं कि हरियाणा में 10 साल तक डबल इंजन की सरकार रही, वहां की जनता बीजेपी नेताओं को गांव में घुसने तक नहीं दे रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569